दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
Asli Azadi Dainik
@AsliAzadiDainik
www.asliazadi.com

असली आज़ादी

SINCE 2005

■ वर्षः 19, अंकः 302 ■ दमण, मंगलवार 03 सितंबर 2024, ■ पृष्ठः 8 ■ मूल्यः 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

भाजपा के 'सदस्यता अभियान' का हुआ आगाज: पहले सदस्य बने पीएम मोदी

■ पीएम मोदी ने टॉल फ्री नंबर मिस्ड कॉल के जरिए फिर से भाजपा की सदस्यता लीः दिल्ली स्थित भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने पीएम मोदी को पार्टी का पहला सदस्य बनाकर अभियान की कराई शुरूआत

नई दिल्ली 02 सितंबर। भारतीय जनता पार्टी का आज से देश भर में राष्ट्रीय सदस्यता अभियान-2024 का शुभारंभ हुआ। पीएम मोदी भारतीय जनता पार्टी के पहले सदस्य बने। पीएम मोदी ने टॉल फ्री नंबर मिस्ड कॉल के जरिए फिर से भाजपा की सदस्यता ली। इस अवसर पर भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने पीएम मोदी को भाजपा का पहला सदस्य बनाया। इसके साथ ही पूरे देश में राष्ट्रीय सदस्यता अभियान -2024 का आगाज हो गया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि देशवासियों की आकांक्षाओं की उड़ान को नई ऊंचाई देने के लिए हम कृतसंकल्प हैं। राष्ट्रीय सदस्यता अभियान 2024 का शुभारंभ करते हुए मुझे बहुत गर्व का अनुभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रथम की भावना से काम हो रहा है। पार्टी बहुत सहन करके यहां तक पहुंची है। हम आलोचनाओं को झेलते हुए आगे बढ़े हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बीजेपी एकमात्र दल है, जो अपनी पार्टी के संविधान के अनुसार अक्षरशः लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए अपने कार्य का विस्तार कर रहा है और जन-सामान्य की आशा, आकांक्षाओं पर खरा उतरने के लिए अपने आप को निरंतर योग्य बनाता रहता है। उन्होंने कहा कि आज सदस्यता अभियान का एक और दौर प्रारंभ हो रहा है। भारतीय जनसंघ से लेकर अब तक हमने देश में एक नई राजनीतिक संस्कृति लाने का भरसक प्रयास किया है। जब तक जिस संगठन के माध्यम से या जिस राजनीतिक दल के माध्यम से देश की जनता सत्ता सुपुर्द करती है, वो ईकाई, वो संगठन और वो दल अगर लोकतांत्रिक मूल्यों को नहीं जीता है और आंतरिक लोकतंत्र निरंतर उसमें नहीं पनपता, तो वैसी स्थिति बनती है जो आज देश कई दलों में हम देख रहे हैं।

दमण जिले के सरपंचों के प्रतिनिधि मंडल ने प्रशासक प्रफुल पटेल से शुभेच्छा मुलाकात की

■ प्रशासक प्रफुल पटेल को जन्मदिन की बधाई के साथ-साथ संघ प्रदेश के प्रशासक के रुप में 9वें वर्ष के कार्यकाल में प्रवेश के लिए भी अभिनंदन दिया ■ प्रशासक प्रफुल पटेल ने सरपंचों को पंचायती राज के तहत प्रशासन द्वारा दी गई सत्ता का असरकार अमल करने का दिया निर्देश

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 02 सितंबर। दमण जिले के सरपंचों के प्रतिनिधि मंडल ने आज संघ प्रदेशों के प्रशासक प्रफुल पटेल से शुभेच्छा मुलाकात की। इस अवसर पर ग्रामीण जनप्रतिनिधियों ने प्रशासक प्रफुल पटेल को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। साथ ही साथ संघ प्रदेश थ्रीडी में प्रशासक के रुप में प्रफुल पटेल के 9वें वर्ष के कार्यकाल के प्रवेश पर भी अभिनंदन दिया। प्रशासक प्रफुल पटेल ने सरपंचों को पंचायती राज के तहत प्रशासन द्वारा दी गई सत्ता का असरकार अमल करने का निर्देश दिया। ग्रामीण विकास पर मार्गदर्शन भी दिया। इस प्रतिनिधि मंडल में घेलवाड ग्राम पंचायत सरपंच हिताक्षी पटेल, दमणवाडा ग्राम पंचायत सरपंच मुकेश गोसावी, भीमपोर ग्राम पंचायत सरपंच शांतिलाल पटेल, कडैया ग्राम पंचायत सरपंच शंकर पटेल, दुनेठा ग्राम पंचायत सरपंच सविता पटेल, दाभेल ग्राम पंचायत सरपंच हेमाक्षी पटेल, आटियावाड ग्राम पंचायत सरपंच उर्वशी पटेल, कचीगाम ग्राम पंचायत सरपंच भरत पटेल शामिल रहे। इस प्रतिनिधि मंडल के साथ दमण जिला पंचायत उपप्रमुख बाबू पटेल और पूर्व उपप्रमुख मैत्री पटेल भी खास तौर पर उपस्थित रही।

संघ प्रदेशों के प्रशासक प्रफुल पटेल से पूर्व डीआईए प्रेसिडेंट पवन अग्रवाल ने की शुभेच्छा मुलाकात

■ प्रशासक प्रफुल पटेल को काशी विश्वनाथ मंदिर की प्रतिरूप पेटिंग की भेंट कर पूर्व डीआईए प्रेसिडेंट पवन अग्रवाल ने जन्मदिन की बधाईयां दी ■ प्रशासक प्रफुल पटेल ने पूर्व डीआईए प्रेसिडेंट एवं उद्योगपति पवन अग्रवाल से जाना औद्योगिक ईकाईयों का हाल-चाल

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 02 सितंबर। संघ प्रदेशों के प्रशासक प्रफुल पटेल से आज डीआईए के पूर्व प्रेसिडेंट पवन अग्रवाल ने शुभेच्छा भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने प्रशासक प्रफुल पटेल को काशी विश्वनाथ मंदिर को दर्शाती प्रतिरूप पेटिंग भेंट कर उन्हें जन्मदिन की खूब-खूब बधाई दी। प्रशासक प्रफुल पटेल ने डीआईए के पूर्व प्रेसिडेंट एवं उद्योगपति पवन अग्रवाल से उद्योगों के बारे में चर्चा-विचारणाकर जानकारी प्राप्त करते हुए उद्योगों का हालचाल भी जाना। ज्ञात हो कि संघ प्रदेश थ्रीडी में प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन को 68 सेवा कार्यों के साथ मनाया गया था। जिसमें हजारों जरुरतमंद तक सेवाकीय कार्यों के माध्यम से लाभ पहुंचा था।

सुप्रीम कोर्ट का जाति जनगणना पर सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को जाति जनगणना करवाने की मांग वाली एक याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। जस्टिस ऋषिकेश रॉय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि जाति जनगणना एक नीतिगत मामला है। यह मुद्दा केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। इसलिए अदालत इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकते हैं। याचिकाकर्ता पी प्रसाद नायडू ने सुप्रीम कोर्ट से जाति जनगणना कराने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग की थी। नायडू ने याचिका में कहा था कि केंद्र और उसकी एजेंसियों ने आज तक जनगणना-2021 के लिए गणना नहीं की है। शुरुआत में कोविड-19 महामारी और फिर कई बार स्थगित किया जा चुका है। जनगणना में देरी के कारण डेटा में बड़ा अंतर पैदा हो गया है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील रविशंकर जंडियाला ने कहा कि कई देशों ने जातिगत जनगणना की, लेकिन भारत ने अभी तक ऐसा नहीं किया है। 1992 के इंद्रा साहनी फैसले में कहा गया है कि यह जनगणना समय-समय पर की जानी चाहिए।

संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल ने प्रदेश के तीनों जिलों में भाजपा सदस्यता अभियान 2024 का कराया शुभारंभ

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण/सिलवासा 02 सितंबर। पीएम मोदी के पहले सदस्य बनने के साथ भारतीय जनता पार्टी का आज से देश भर में राष्ट्रीय सदस्यता अभियान- 2024 का शुभारंभ हुआ। संघ प्रदेश थ्रीडी में भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल के मार्गदर्शन में तीनों जिलों में भाजपा के सदस्यता अभियान का एक साथ शुभारंभ हुआ। भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल, भाजपा अध्यक्ष दीपेश टंडेल, भाजपा सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक महेश आगरिया ने विभिन्न स्थानों पर आयोजित सदस्यता अभियान कार्यक्रम में उपस्थित रहकर भाजपा द्वारा जारी किए गए मोबाइल नंबर पर मिस्ड कॉल कराकर उसकी लिंक में कार्यकर्ताओं की जानकारी भरते हुए सदस्यता अभियान को शुरू किया था। दाभेल-घेलवाड में भाजपा के प्रदेश सचिव जिज्ञेश पटेल एवं अम्रत पटेल, दमण शहर में भाजपा जिला अध्यक्ष अस्पी दमणिया एवं दमण भाजपा शहर प्रमुख पियूष पटेल, दलवाडा में प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष नवीन पटेल, दुनेठा में भाजपा ओबीसी मोर्चा के महामंत्री भरत पटेल, दमण जिला पंचायत प्रमुख जागृति पटेल, कल्पेश पटेल, नमो पथ पर प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्षा सिंपल टंडेल, डीएमसी के पूर्व वाइस प्रेसिडेंट आशीष काशी, काउंसिलर चंद्रगिरी टंडेल, सिलवासा वॉर्ड नं. 5 में दानह सांसद कलाबेन डेलकर, युवा नेता अभिनव डेलकर, इंद्रजीत परमार, एसएमसी प्रेसिडेंट रजनी शेट्टी, अजय देसाई, मनीष देसाई सहित के भाजपाईयों ने युवाओं और नागरिकों को भाजपा का सदस्य बनाया। गौरतलब है कि इस बार संघ प्रदेश थ्रीडी में भाजपा के नेता सदस्यता अभियान में झोलझाल नहीं कर पायेंगे। भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल की सीधी निगरानी में शुरू हुए भाजपा सदस्यता अभियान में प्रदेश के स्थानीय एवं स्थायी निवासी युवाओं और नागरिकों को ही भाजपा सदस्यता अभियान 2024 से जोडा जाना है। इसलिए जो भी सदस्य बनेगें वह भाजपा को समर्पित रहेंगे।

जम्मू के सुंजवां में संतरी पोस्ट पर आतंकी हमला, गोलीबारी में एक जवान शहीद

–सेना ने इलाके को घेरा, तलाशी अभियान शुरु, ड्रोन की भी ली जा रही मदद

जम्मू, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लगातार आतंकियों के हमले हो रहे हैं। सोमवार को जम्मू के सुंजवां के संतरी पोस्ट के पास सैन्य स्टेशन पर आतंकियों ने हमला किया है। इस गोलीबारी में सेना का एक जवान शहीद हो गया। आतंकियों की तलाशी के लिए सेना ने घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन चला रही है। जम्मू के सुंजवां सैन्य स्टेशन पर आतंकियों द्वारा बेस के बाहर से की गई गोलीबारी में एक सैन्य जवान शहीद हो गया। शहीद जवान की पहचान नायक कुलदीप के रूप में हुई है। आतंकियों की तालश के लिए ड्रोन भी तैनात किए गए हैं।

रक्षा अधिकारियों ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि जम्मू के सुंजवान मिलिट्री स्टेशन में आतंकवादियों ने बेस के बाहर से गोलीबारी की, जिसमें सेना का एक जवान घायल हो गया। हमलावरों का पता लगाने के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है। आतंकियों का हमला सुंजवान मिलिट्री स्टेशन के सेंट्री पोस्ट एरिया के पास के इलाके में हुआ। यहां 36 इंफेंट्री ब्रिगेड तैनात है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मिलिट्री स्टेशन के बाहर संदिग्ध गतिविधियां देखने को मिली थीं, जिसके बाद जवानों ने गोलियां चलाईं। इसकी वजह से हलचल बढ़ गई और सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है।

सेना के अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी के बाद किसी संदिग्ध के हताहत होने की सूचना नहीं है लेकिन सेना और स्थानीय पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने गहन तलाशी के लिए इलाके को घेर लिया गया है। ये पहला मौका नहीं है, जब सुंजवान मिलिट्री स्टेशन पर हमला हुआ है। इससे पहले फरवरी 2018 में, आतंकवादियों ने सुंजवान मिलिट्री कैंप पर हमला किया था, जिसमें छह जवान शहीद हो गए थे, एक नागरिक और तीन आतंकवादी भी मारे गए थे।

पिछले हफ्ते, सुरक्षा बलों ने 31 अगस्त को जम्मू-कश्मीर के बांदीपुरा जिले के गुरेज सेक्टर में एलओसी के नजदीक घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया था। आतंकवादियों की गतिविधि देखे जाने के बाद घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों और सेना के बीच गोलीबारी शुरू हुई थी। पिछले हफ्ते ही जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में एलओसी पर दो अलग-अलग मुठभेड़ों में कम से कम तीन आतंकवादी मारे गए थे।

करारी हार के बाद अवामी इत्तेहाद पार्टी में सेंधमारी में जुटे उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर । लोकसभा चुनावों में शेख अब्दुल रशीद ने नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला को हराकर बड़ी राजनीतिक हलचल मचा दी थी। उमर को भरोसा नहीं हो रहा था कि जिस कश्मीर पर उन्होंने और उनके परिवार ने लंबे समय तक राज किया वहां पर उन्हें जेल में बंद एक व्यक्ति ने हरा दिया। करारी हार के बाद उमर ने शेख अब्दुल रशीद की अध्यक्षता वाले राजनीतिक दल अवामी इत्तेहाद पार्टी में सेंध लगानी शुरु कर दी है। बता दें कि रशीद की अध्यक्षता वाली अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) के कई कार्यकर्ता नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) में शामिल हुए हैं। हालांकि रशीद की पार्टी के तमाम नेताओं का कहना है कि इससे हमारे चुनावी प्रदर्शन पर ज्यादा असर नहीं होगा, क्योंकि जनता हमारे साथ है। बता दें कि श्रीनगर में रोजाना बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता अवामी इत्तेहाद पार्टी में शामिल हो रहे हैं जिसके चलते इस पार्टी का दावा है कि उसे दक्षिण और मध्य कश्मीर में बड़ा जनसमर्थन मिल रहा है। श्रीनगर में रशीद के बेटे अबराब रशीद ने कहा कि जैसे लोकसभा चुनावों में उत्तरी कश्मीर ने हमारा समर्थन किया था, वैसा ही समर्थन हमें मध्य और दक्षिण कश्मीर से भी इस बार के विधानसभा चुनावों में मिलेगा है। उन्होंने कहा कि मैं मध्य और दक्षिण कश्मीर के लोगों से उम्मीद करता हूँ कि विधानसभा चुनावों में वे हमारी पार्टी को चुने। वहीं एआईपी के प्रवक्ता इनाम उन नबी ने कहा कि कश्मीर के लोगों को अवामी इत्तेहाद पार्टी के चलते एक नई क्षेत्रीय पार्टी का विकल्प मिल गया है। उन्होंने कहा कि हम चुनाव में उचित जनादेश की उम्मीद कर रहे हैं क्योंकि खंडित जनादेश से कुछ नहीं मिलेगा।

जयपुर में बांध टूटने से कब्रिस्तान में पहुंचा पानी..... लाशें पानी में बहने लगीं

जयपुर । जयपुर में बांध टूटने से जलमग्न हुए कब्रिस्तान से लाशें के बहने का मामला सामने आया है। कब्र से कई शव बाहर निकल पानी के तेज बहाव में बहने लगे। यह देख हर कोई दंग रह गया। लेकिन लोगों ने सूझबूझ दिखकर नाले में उतर शवों को आगे बहने से रोका। फिर रस्सी की मदद से कब्र से बाहर आए शवों को निकाला और वापस कब्र में दफन किया। दरअसल, खोह नागोरियान इलाके में सोमवार सुबह झमाझम बारिश में नूर बांध की दीवार टूटने से बांध का पानी दरगाह के पीछे कब्रिस्तान में घुस गया। इस पानी से कब्रिस्तान पूरी तरह से बर्बाद हो गया और कब्र से 5 शव बाहर आ गए। वहीं, कुछ देर बाद एक-एक कर लाशें पानी के बहाव में बहनें लगीं। जिन्हें कड़ी मशक्कत के बाद लोगों ने वापस कब्र में दफना किया। इस लेकर कांग्रेस विधायक अमीन कागजी ने बताया, पहाड़ियों के बीच में बना बरसों पुराना नूर का बांध अचानक सोमवार सुबह टूटा और उसका पानी बस्ती होकर कब्रिस्तान में पहुंच गया। इस वजह से कुछ जनाजे बहे जिन्हें लोगों ने वापस सुपुर्द-ए-खाक किए। इस लेकर जयपुर कलेक्टर को सूचना देकर मौके पर एसडीआरएफ की टीम भेजी है।

मुश्किल में अखिलेश का करीबी नवाब.... डीएनए रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि

कन्नौज । उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में किशोरी से दुष्कर्म के मामले में पूर्व ब्लॉक प्रमुख और सपा नेता अखिलेश यादव का करीबी नवाब सिंह यादव का डीएनए सैंपल पीड़िता से मैच हुआ है। घटना के मौके से फॉरेंसिक टीम ने लिए नमूने और डीएनए टेस्ट रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि है। इसके बाद नवाब सिंह की मुश्किलें बढ़ना तय है। एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि विधि विज्ञान प्रयोगशाला से रिपोर्ट प्राप्त मिली गई है। नवाब सिंह ने किशोरी से दुष्कर्म किया है। विधि विज्ञान प्रयोगशाला की रिपोर्ट से इसकी पुष्टि करती है। किशोरी से पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब के दुष्कर्म के मामले में पुलिस को 60 दिन के अंदर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करना होगा। इससे पुलिस ने करीब 70 पन्नों की केस डायरी तैयारी की है। जल्द ही पुलिस मामले में चार्जशीट दाखिल कर सकती है। पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह की गिरफ्तारी का वीडियो इंटरनेट और मीडिया पर प्रचलित हुआ था। इसमें पीड़िता बगैर टॉप के कॉलेज के गेट पर खड़ी है। वीडियों में पीड़िता के साथ पुलिस अंदर कमरे में पहुंचती है। कमरे के अंदर बेड पर नवाब सिंह लेटा हुआ है। जबकि पीड़िता की बुआ पास में कुर्सी पर बैठी हैं।

कौन है नवाब सिंह यादव– बालिक से दुष्कर्म के प्रयास से सुर्खियों में आए नवाब सिंह ने छात्र संघ की राजनीति से सियासती पारी शुरू की। इसके बाद कम समय में ब्लॉक प्रमुख से लेकर सपा में मिनी मुख्यमंत्री के नाम से रसूक कायम किया। अखिलेश के बेहद खास माने जाने वाले नवाब सिंह डिंपल यादव का प्रतिनिधि भी रहा है। आरोपित नवाब सिंह यादव के खिलाफ जघन्य आपराधिक मामले दर्ज हैं। वर्ष 2007 से अबतक उस पर 16 मामले दर्ज हैं। इनमें अपहरण, गुंडा एक्ट, मारपीट और महामारी अधिनियम के मामले शामिल हैं।

माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर भूस्खलन... दो श्रद्धालुओं की मौत

जम्मू । माता वैष्णो देवी यात्रा के दौरान एक बड़ा हादसा हुआ है। यात्रा मार्ग पर भूस्खलन के कारण दो श्रद्धालु की मौत हो गई है। घटना के बाद राहत और बचाव कार्य तेजी से शुरू किया गया, जिससे स्थिति को नियंत्रित किया गया। घायल श्रद्धालु को तुरंत चिकित्सा सुविधा प्रदान की गई और उसकी हालत स्थिर है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान सतर्क रहें और मार्ग की स्थिति को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ें। भूस्खलन के कारण यात्रा मार्ग पर अस्थायी रूप से आवाजाही रोक दी गई है, और मार्ग को साफ करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

2023 में 93.50 लाख लोगों ने किए थे देवी के दर्शन – हर साल लाखों लोग वैष्णो देवी के दर्शन करने जाते हैं। साल 2023 में रिकॉर्ड श्रद्धालुओं ने वैष्णो देवी के दर्शन किए थे। बीते एक दशक में 2023 में रिकॉर्ड 93.50 लाख श्रद्धालुओं ने वैष्णो देवी के दर्शन किए थे। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, त्रिकुट पहाड़ियों पर बने वैष्णो देवी के मंदिर में 93.50 लाख लोगों ने देवी के दर्शन किए थे। इससे पहले 2013 में सर्वाधिक 93.24 लाख श्रद्धालुओं ने वैष्णो देवी के दर्शन किए थे। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशुल गर्ग ने बताया था कि बीते दस सालों में इस बार सर्वाधिक 93.24 लाख तीर्थयात्री वैष्णो देवी के दर्शन करने पहुंचे थे।

दुष्कर्म के दोषियों को 10 दिन में फांसी..... ममता के विधेयक को भाजपा का समर्थन

कोलकाता । कोलकाता डॉक्टर से रेप और हत्या के मामले से पूरा देश स्तब्ध है। इस तरह की जघन्य घटनाओं को रोकने के लिए सख्त से सख्त कानून बनाने की मांग हो रही है। इस बीच ममता सरकार का सोमवार से विधानसभा का दो दिन का विशेष सत्र बुलाया गया है। इस विशेष सत्र में विधेयक पेश होगा, जिसमें दुष्कर्म के दोषियों को 10 दिन के अंदर फांसी की सजा सुनिश्चित करने का प्रस्ताव है। ममता सरकार के सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित विधेयक मंगलवार को पेश करने की संभावना है। मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा विधानसभा में ममता के विधेयक का समर्थन करेगी। वहीं, बीजेपी का कहना है कि उनकी पार्टी बलात्कार के खिलाफ ममता सरकार के विधेयक का समर्थन करेगी। बीजेपी भाजपा नेता सुकांत मजूमदार ने कहा कि पार्टी ने फैसला किया है कि ममता के विधेयक का समर्थन करेगी। हालांकि, ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग को लेकर विधानसभा के अंदर भी प्रदर्शन जारी रहेगा। बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने कुछ दिन पहले कहा था कि उनकी सरकार एंटी-रेप लॉ लाएगी, जिससे रेप के आरोपियों को दस दिन के भीतर मौत की सजा मिल सकेगी। बंगाल विधानसभा स्पीकर बिमान बनर्जी ने बताया कि यह बिल विधानसभा के विशेष सत्र के आखिरी दिन मंगलवार को पेश होकर उसी दिन चर्चा होकर पारित होगा।

दिल्ली में अवैध रूप से दौड़ रहे 114 ई-रिक्शा जब्त, जेसीबी से किया नष्ट

नई दिल्ली। दिल्ली की सड़कों पर दौड़ रहे अवैध ई-रिक्शा चालकों पर शिकंजा कसते हुए परिवहन विभाग ने 114 ई-रिक्शों को जब्त किया है। विभाग ने लगातार मिल रही शिकायतों के बाद गैरकानूनी रूप से चल रहे ई-रिक्शों को जब्त किया और जेसीबी से इन्हें नष्ट कर दिया। परिवहन विभाग ने अपना पूरा फोकस अवैध ई-रिक्शों पर केंद्रित कर दिया है। दिल्ली में करीब एक लाख 60 हजार ई रिक्शा चलते हैं, जिसमें बड़ी संख्या में अवैध ई-रिक्शा भी हैं, जिनके पास न तो लाइसेंस और न परमिट। ये ई-रिक्शा दिल्ली की सड़कों पर खतरनाक तरीके से लोगों की जान जोखिम में डालकर चलते हैं साथ ही ई-रिक्शा चालकों ने पूरी तरह सड़कों को घेर लेने की भी शिकायतें मिल रहीं थीं। ये अवैध ई-रिक्शे सड़कों पर खुलेआम बिजली चोरी भी करते हैं. जिसकी वजह से बिजली कंपनियों को करीब 120 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है और यह नुकसान दिल्ली की जनता से वसूला जाता है। एक ई रिक्शा को चार्ज करने में 8 से 10 यूनिट बिजली खर्च होती है, लेकिन यह रिक्शा माफिया बिजली के पोल से बिजली चोरी कर के रिक्शाओं को चार्ज करते हैं, जिसके कारण दिल्ली में पिछले दिनों कई हादसे हुए और ई-रिक्शा में करंट आने से एक साल साल के बच्चे की और एक 40 साल की व्यक्ति की मौत हो गई थी।

मणिपुर में फिर चलीं दनादन गोलियां, महिला सहित दो की मौत 9 घायल

इंफाल। मणिपुर में एक बार फिर संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा की गई फायरिंग में एक महिला समेत दो की मौत हो गई जबकि नौ अन्य घायल हो गए। सुरक्षाबलों ने आरोपि?यों की तलाश शुरू कर दी है। राज्य के पुलिस महानिदेशक राजीव सिंह ने बताया कि भारी हथियारों से लैस उग्रवादियों ने पहाड़ी की चोटी से अंधाधुंध गोलीबारी की और इंफाल पश्चिम जिले के अंतर्गत कोत्रुक और पड़ोसी कडांगबंद के निचले घाटी इलाकों में बम भी फेंके। इस गोलीबारी में 31 वर्षीय महिला और एक ग्रामीण की मौत हो गई, जबकि महिला की आठ वर्षीय बेटी और एक पुलिस अधिकारी समेत नौ अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध उग्रवादियों के अचानक हमले से तनाव और दहशत फैल गई। इसके कारण महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों समेत कई ग्रामीण सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने के लिए भाग गए। मारी गई मैतेई समुदाय की महिला की पहचान नगांगबाम सुरबाला देवी के रूप में हुई।

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट, व्यक्ति दोषी भी... तब भी घर नहीं गिराया जा सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में बुलडोजर मामलों की सुनवाई सोमवार से शुरू हो गई। जस्टिस गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच के सामने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलीलें पेश कीं। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने बताया कि जो कार्रवाई की गई है, वह नगर-निगम और नगरपालिका के कानून के अनुसार ही की गई है। उन्होंने बताया कि अवैध कब्जे के मामलों में म्युनिसिपल संस्थाओं द्वारा नोटिस देने के बाद ही कार्रवाई हुई है। जस्टिस विश्वनाथन ने केंद्र सरकार से विस्तृत जवाब मांगा है। शीर्ष अदालत ने नोटिस, कार्रवाई और अन्य आरोपों पर मोदी सरकार को उत्तर देने के निर्देश दिए हैं। मामले में अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई पर सवाल खड़े कर कहा कि सिर्फ आरोपी होने के आधार पर किसी के घर को गिराना उचित नहीं है। अदालत ने शासन और प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाकर कहा कि अगर कोई व्यक्ति दोषी भी है,तब भी घर को गिराया नहीं जा सकता। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने इस बात को स्वीकार कर कहा कि अपराध में दोषी साबित होने पर भी घर नहीं गिराया जा सकता। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिनके खिलाफ कार्रवाई हुई है, वे अवैध कब्जे या निर्माण के कारण निशाने पर हैं, न कि अपराध के आरोप की वजह से हुई है।

जमीयत उलेमा ए हिन्द ने याचिका दाखिल कर सरकारों द्वारा आरोपियों के घरों पर मनमाने ढंग से बुलडोजर चलाने पर रोक लगाने की मांग की है। याचिका में यूपी, मध्यप्रदेश और राजस्थान में हाल में हुई बुलडोजर कार्रवाइयों का उल्लेख करते हुए अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाने का आरोप लगाया गया है।

याचिका पर की गई थी जल्द सुनवाई की हुई थी मांग

वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे ने याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की थी। याचिका जहांगीरपुरी मामले में वकील फरूख रशीद द्वारा दाखिल की गई थी। याचिका में कहा गया था कि राज्य सरकारें हाशिए पर मौजूद लोगों, खासकर अल्पसंख्यकों के खिलाफ दमन चक्र चलाकर उनके घरों और संपत्तियों पर बुलडोजर चलाने को बढ़ावा दे रही हैं, जिससे पीड़ितों को कानूनी उपाय करने का मौका नहीं मिलता।

एमेनेस्टी इंटरनेशनल की फरवरी 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2022 से जून 2023 के बीच दिल्ली, असम, गुजरात, मध्यप्रदेश और यूपी में सांप्रदायिक हिंसा के बाद 128 संपत्तियों को बुलडोजर से ढहा गया। मध्यप्रदेश में एक आरोपी के पिता की संपत्ति पर बुलडोजर चलवा दिया गया, और मुरादाबाद तथा बरेली में भी बुलडोजर से संपत्तियां ढहाई गईं। हाल ही में, राजस्थान के उदयपुर जिले में राशिद खान का घर भी बुलडोजर से गिरा दिया गया, जिसमें उनके 15 वर्षीय बेटे पर स्कूल में अपने सहपाठी को चाकू से गोदने का आरोप था।

दुष्कर्म के आंकड़ों पर सिब्बल का उपराष्ट्रपति पर पलटवार, बोल- धनखड़ जी, आपने बंगाल क्यों नहीं देखा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने सोमवार को कथित एससीबीए प्रस्ताव पर उनकी आलोचना करने के लिए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पर पलटवार किया, जिसमें वरिष्ठ वकील ने कथित तौर पर कोलकाता में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या को 'लक्षणात्मक अस्वस्थता' बताया था। सिब्बल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, टाइम्स ऑफ इंडिया (रिपोर्ट); बलात्कार (2017 से 2022 के बीच)। बलात्कार/सामूहिक दुष्कर्मके बाद हत्या के 1,551 मामलों में से सबसे अधिक (280) मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए, उसके बाद मध्य प्रदेश (207), असम (205), महाराष्ट्र (155) और कर्नाटक (79) का नंबर आता है।

सिब्बल ने उपराष्ट्रपति को लेकर आगे लिखा कि धनखड़ जीः आपने इसे देखा? पश्चिम बंगाल क्यों गायब है? कोई दुर्भावना नहीं? धनखड़ ने एससीबीए अध्यक्ष सिब्बल की आलोचना की थी, जिन्होंने एक कथित प्रस्ताव में कहा था कि कोलकाता के सरकारी आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हुई दुखद घटना बीमारी का लक्षण'' थी और उन्होंने कहा था कि ऐसी घटनाएं आम बात हैं।

उपराष्ट्रपति ने 30 अगस्त को दिल्ली विश्वविद्यालय के भारती कॉलेज में छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा था, ''मैं दुखी हूं, और कुछ हद तक स्तब्ध भी कि सुप्रीम कोर्ट बार में एक पद पर आसीन एक संसद सदस्य, इस तरीके से काम कर रहे हैं और क्या कहते हैं वो ! बीमारी का लक्षण, और सुझाव दिया कि ऐसी घटनाएं आम हैं ! कितनी शर्म की बात है ! ऐसी घटनाओं की निंदा करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं।

तेजस्वी को सिन्हा का जबाव... बिहार की जनता मालिक है, जनता तय करेगी सच्चा सेवक कौन

–लालू ने 15 साल में एक भी व्यक्ति को नहीं दिया आरक्षण

पटना (एजेंसी)। बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पर कथित तौर पर जातिवाद करने का आरोप लगाकर कहा कि लोगों को तय करना हैं कि बिहार का सच्चा सेवक कौन होगा। सिन्हा की यह प्रतिक्रिया तेजस्वी की जाति जनगणना और बिहार में 65 प्रतिशत आरक्षण वृद्धि को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग के बाद आई है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता मालिक है और बिहार का सच्चा सेवक कौन होगा, वहां तय करेगी।

सिन्हा ने कहा कि जो लोग जाति के जहर के कहर से बिहार को प्रभावित करते हैं, राजनीति में भी जातिय चश्मा पहनकर राजनीति को गंदा करते हैं। इतना ही नहीं ये लोग बिहार में भ्रष्टाचार बढ़ाते हैं, अपराधियों का मनोबल बढ़ाते हैं। अपने परिवार के उत्थान और कल्याण के लिए नाटक रचा जा रहा है। तेजस्वी पर हमला कर उन्होंने कहा कि उनके पास अपने माता-पिता के 15 साल के कार्यकाल में हुए कामों को गिनाने की कोई जगह है।

भाजपा नेता सिन्हा ने कहा कि एक जगह ये लोग 17 महीनें रहे और एनडीए 17 सालों तक सत्ता में रही। एनडीए के कार्यकाल में जो काम शुरू हुआ उसी को वे(राजद) गिनवा रहे हैं। जनता को बरगलाने, भौकाल बनाने की राजद की संस्कृति है। यही इनकी मानसिकता है। इस बीच, बिहार के एक अन्य उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बिहार में लालू यादव के 15 साल के शासन को याद कर आरोप लगाया कि एक भी व्यक्ति को आरक्षण नहीं दिया जा रहा है।

चौधरी ने कहा कि लालू 15 साल तक सत्ता में रहे लेकिन उन्होंने एक भी व्यक्ति को आरक्षण नहीं दिया। उन्हें केवल परिवार के आरक्षण की चिंता है। लालू यादव के परिवार को कभी भी पूरे राज्य की चिंता नहीं रही।

भाजपा सांसद का आरोप खड़गे परिवार को मुफ्त में मिली 19 एकड़ सरकारी जमीन

बेंगलुरु (एजेंसी)। भाजपा सांसद लहर सिंह सिरोया ने कांग्रेस नेता और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके परिवार पर गंभीर आरोप लगाया हैं। उन्होंने दावा किया है कि खड़गे परिवार द्वारा संचालित सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को गुलबर्गा में 19 एकड़ सरकारी जमीन मुफ्त में मिली है। ट्रस्ट के अंतर्गत चलने वाले इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पाली, संस्कृत और तुलनात्मक दर्शन को यह जमीन कांग्रेस सरकार के दौरान आवंटित की गई थी।

भाजपा नेता सिरोया ने कहा कि सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के ट्रस्टी खड़गे की पत्नी, दामाद और दो बेटे हैं। पाली इंस्टीट्यूट के सचिव श्री राधाकृष्ण, जो खड़गे के दामाद और वर्तमान गुलबर्गा के सांसद हैं, ट्रस्ट से जुड़े हुए हैं। हाल ही में यह बात भी सामने आई थी कि सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को बेंगलुरु के एयरोस्पेस पार्क में 5 एकड़ सिविक एमेनिटीज की जमीन दी गई थी।

भाजपा ने बताया कि मार्च 2014 में, सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने पाली इंस्टीट्यूट को 30 साल के लिए 16 एकड़ सरकारी जमीन लीज पर दी थी। कुछ सालों बाद, इस जमीन में 3 एकड़ और जोड़ी गई। आखिरकार,मार्च 2017 में, सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने पूरी 19 एकड़ जमीन खड़गे परिवार द्वारा संचालित संस्थान को मुफ्त में दे दी। महत्वपूर्ण है कि तब खड़गे के बेटे प्रियंक, जो वर्तमान में भी कर्नाटक सरकार में मंत्री हैं, तब भी कैबिनेट मंत्री थे जब यह जमीन आवंटित की गई।

सिरोया ने मांग की है कि 19 एकड़ जमीन के हस्तांतरण की, बेंगलुरु के केआईएडीबी की 5 एकड़ जमीन आवंटन की तरह, स्वतंत्र एजेंसी से जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि खड़गे परिवार द्वारा कथित सत्ता के दुरुपयोग और भाई-भतीजावाद की ओर इशारा करने के लिए उन्हें व्यक्तिगत रूप से निशाना बनाया गया है, लेकिन अगर खड़गे परिवार डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर और भगवान गौतम सिद्धार्थ के सिद्धांतों में विश्वास रखते हैं, तब उन्हें खुद इस मामले की जांच की मांग करनी चाहिए।

आदमखोर भेड़ियों को पकड़ने में .... रंगीन टेडी गुड़िया वन विभाग का हथियार

बहराइच (एजेंसी)। भेड़ियों को पकड़ने में जुटी वन विभाग की टीम के एक वरिष्ठ वन अधिकारी ने कहा भेड़ियों को पकड़ने के लिए बच्चों के मूत्र में भिगोई गई रंगीन टेडी गुड़िया का उपयोग करके उन्हें पकड़ने की कोशिश हो रही है।

वन विभाग ने अब इन शिकारियों को पकड़ने के लिए झूठे चारे के रूप में चमकीले रंग की टेडी गुड़िया का उपयोग करके एक अभिनव प्रयास शुरू किया है। इन गुड़ियों को नदी के किनारे, भेड़ियों के आराम करने के स्थानों और मांदों के करीब रणनीतिक रूप से रखा गया है, और प्राकृतिक मानव गंध की नकल करने के लिए बच्चों के मूत्र में भिगोया जा रहा है।

इस बारे में वन अधिकारी ने बताया, भेड़िये लगातार अपना स्थान बदल रहे हैं। आमतौर पर, वे रात में शिकार करते हैं और सुबह तक आराम करते हैं। हमारी रणनीति उन्हें गुमराह करना और उन्हें आवासीय क्षेत्रों से दूर उनके मांद के पास रखे जाल या पिंजरों की ओर आकर्षित करना है।

वन अधिकारी ने कहा, हम थर्मल ड्रोन का उपयोग करके उन्हें ट्रैक करने और फिर पटाखे फोड़कर और शोर मचाकर उन्हें जाल के पास सुनसान इलाकों की ओर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। चूंकि ये जानवर मुख्य रूप से बच्चों को निशाना बनाते हैं, इसलिए हमने जाल के पास मानव उपस्थिति का झूठा आभास पैदा करने के लिए बच्चों के मूत्र में भिगोए हुए रंगीन कपड़े पहने बड़ी टेडी गुड़िया पेश की हैं। प्राकृतिक मानव गंध भेड़ियों को जाल के करीब आकर्षित कर सकती है।

वरिष्ठ आईएफएस अधिकारी ने बताया कि ऐतिहासिक रूप से, अंग्रेजों ने इस क्षेत्र से भेड़ियों को खत्म करने का प्रयास किया था, यहां तक ??कि उन्हें मारने के लिए इनाम भी दिया था। हालांकि, इन प्रयासों के बावजूद, भेड़िये जीवित रहने में कामयाब रहे और नदी के किनारे के इलाकों में निवास करते है। जानवरों को पकड़ने के लिए विभिन्न प्रकार के चारे का उपयोग किया जाता है, जिसमें जीवित चारा, मृत चारा और झूठा या नकाबपोश चारा शामिल है।

उन्होंने कहा कि वन विभाग द्वारा इस्तेमाल की जा रही टेडी डॉल को झूठे चारे के रूप में देखा जा सकता है, ठीक उसी तरह जैसे खेतों में पक्षियों से फसलों की रक्षा के लिए बिजूका का इस्तेमाल होता है। हालांकि इस तरह के तरीकों के सफल होने का कोई प्रमाणित रिकॉर्ड नहीं है। हाल के महीनों में, बहराइच की महसी तहसील में भेड़ियों का एक झुंड तेजी से आक्रामक हो गया है, जुलाई से हमले तेज हो गए हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, छह भेड़ियों के झुंड ने 17 जुलाई से कथित तौर पर छह बच्चों और एक महिला को मार डाला है, जबकि कई ग्रामीणों को घायल कर दिया है। छह भेड़ियों में से चार को पकड़ लिया गया है, लेकिन दो अभी भी फरार हैं, जो क्षेत्र में खतरा बने हुए हैं। वन विभाग थर्मल और नियमित ड्रोन दोनों का उपयोग करके इन भेड़ियों की सक्रिय रूप से तलाश कर रहा है।

दादरा नगर हवेली में हिन्दी पखवाड़ा का हुआ शुभारंभ : हिन्दी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 02 सितंबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव प्रशासन के राजभाषा विभाग द्वारा दादरा नगर हवेली में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत हिन्दी निबंध, हिन्दी वाक, हिन्दी कम्प्यूटर, हिन्दी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन, हिन्दी देश भक्तिगीत और हिन्दी श्रुतलेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। आज हिन्दी पखवाड़ा का उद्घाट्न कार्यक्रम और इसके अंतर्गत हिन्दी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सरकारी कॉलेज डोकमरडी पर किया गया। इस कार्यक्रम के शुभारंभ में डॉ. अनिता कुमार हिन्दी सहायक ने सभी का स्वागत करते हुए हिन्दी पखवाड़ा के आयोजन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। इसके पश्चात डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सरकारी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. भगवान झा का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. भगवान झा प्राचार्य ने अपने अध्यक्षीय अभिभाषण में सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए राजभाषा हिन्दी के महत्व पर विशेष जानकारी देते हुए बताया कि राजभाषा विभाग हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी पखवाड़ा के माध्यम से सराहनीय कार्य करता रहा है। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन द्वारा हिन्दी के प्रचार एवं प्रसार हेतु सक्रिय भूमिका निभा रहा है। उन्होने हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित हिन्दी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित करते हुए सभी को शुभकामनाएं दी। हिन्दी निबंध प्रतियोगिता में स्नातक वर्ग, कर्मचारी वर्ग और गैर-सरकारी वर्ग के प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में प्रशासन के विभिन्न विभागों और कॉलेजों एवं स्कूलों के कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

दीव में नशा मुक्त भारत अभियान के सलाहकारों के साथ आयोजित हुई बैठक

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 02 सितंबर। भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को विभिन्न प्रकार के नशे से मुक्ति दिलाना और विभिन्न प्रकार के नशे के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाना है। साथ ही लोग नशीली दवाओं के दुरुपयोग से मानव शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को होने वाले नुकसान के बारे में भी जानकारी देना चाहते हैं। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत दीव जिले का भी चयन किया गया है और यह अभियान फिलहाल दीव जिले में भी चलाया जा रहा है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए समाज के हर लोगों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उपरोक्त के अनुसरण में आज समाहर्तालय के सभाकक्ष में उक्त मंत्रालय के सलाहकार अभिनव घोलाप, वरिष्ठ राज्य समन्वयक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय एवं अन्वेषा तिवारी, राज्य समन्वयक, सामाजिक मंत्रालय न्याय एवं अधिकारिता जिला बाल संरक्षण इकाई, दीव के साथ मिलकर नशा मुक्त भारत अभियान के तहत बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिला बाल संरक्षण इकाई दीव द्वारा संचालित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों, प्रशिक्षण सत्रों, विभिन्न प्रतियोगिताओं, नुक्कड़ नाटक आदि गतिविधियों के बारे में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त उपरोक्त मंत्रालय के सलाहकारों द्वारा भी अपने सुझाव एवं राय से अवगत कराया गया।

कैबिनेट ने मुंबई और इंदौर के बीच सबसे छोटा रेल संपर्क प्रदान करने 309 कि.मी. लंबी नई रेलवे लाइन को मंजूरी दी

■ स्वीकृत परियोजना व्यावसायिक केन्द्रों मुम्बई और इन्दौर को सबसे छोटे रेल मार्ग से जोड़ने के अलावा, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के उन जिलों को जोड़ेगी जो अब तक रेल मार्ग से नहीं जुड़े थे, इनमें महाराष्ट्र के 2 और मध्य प्रदेश के 4 जिले शामिल ■परियोजना की कुल लागत 18,036 करोड़ रुपये है और यह 2028-29 तक पूरी हो जाएगी ■ निर्माण के दौरान परियोजना लगभग 102 लाख मानव-दिवसों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार भी पैदा करेगी

दिल्ली/इन्दौर (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने रेल मंत्रालय के तहत 18,036 करोड़ रुपये (लगभग) की कुल लागत वाली नई रेलवे लाइन परियोजना को मंजूरी दे दी है। इन्दौर और मनमाड के बीच प्रस्तावित नई लाइन सीधा सम्पर्क प्रदान करेगी और गतिशीलता में सुधार करेगी, जिससे भारतीय रेलवे के लिए बेहतर दक्षता और सेवा विश्वसनीयता सुनिश्चित होगी। यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नए भारत की कल्पना के अनुरूप है, जो क्षेत्र में व्यापक विकास के माध्यम से लोगों को आत्मनिर्भर बनाएगी, जिससे उनके लिए रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। यह परियोजना मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम है, जो एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हुआ है और लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध सम्पर्क प्रदान करेगा। यह परियोजना 2 राज्यों, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के 6 जिलों को कवर करेगी, जिससे भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 309 किलोमीटर की वृद्धि होगी। इस परियोजना के साथ 30 नए स्टेशन बनाए जाएंगे, जिससे आकांक्षी जिले बड़वानी को बेहतर सम्पर्क मिलेगा। नई रेलवे लाइन परियोजना से लगभग 1,000 गांवों और लगभग 30 लाख आबादी को सम्पर्क मिलेगा। परियोजना देश के पश्चिमी/दक्षिण-पश्चिमी हिस्से को मध्य भारत से जोड़ने वाला छोटा रास्ता उपलब्ध कराकर क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देगी। इससे श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर सहित उज्जैन-इन्दौर क्षेत्र के विभिन्न पर्यटन/धार्मिक स्थलों पर पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी। परियोजना से पीथमपुर ऑटो क्लस्टर (90 बड़ी इकाइयां और 700 छोटे और मध्यम उद्योग) को जेएनपीए के गेटवे पोर्ट और अन्य राज्य बंदरगाहों से सीधा सम्पर्क मिलेगा। परियोजना मध्य प्रदेश के बाजरा उत्पादक जिलों और महाराष्ट्र के प्याज उत्पादक जिलों को भी सीधा सम्पर्क प्रदान करेगी, जिससे देश के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में इसके वितरण में सुविधा होगी। कृषि उत्पादों, उर्वरक, कंटेनर, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट, पीओएल आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए यह एक आवश्यक मार्ग है। क्षमता वृद्धि कार्य के परिणामस्वरूप लगभग 26 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी। रेलवे पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन का साधन है, जो जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की रसद लागत को कम करने, तेल आयात (18 करोड़ लीटर) को कम करने और कार्बन डाइक्साइड उत्सर्जन (138 करोड़ किलोग्राम) को कम करने में मदद करेगा जो 5.5 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

दीव के पौराणिक श्री हाटकेश्वर महादेव मंदिर में धूमधाम से मनाई गई शिवरात्रि

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 02 सितंबर। श्री समस्त ब्रह्म समाज दीव संचालित मंदिर 400 वर्ष से अधिक पुराना पौराणिक मंदिर है। श्री दीव जिला ब्रह्म समाज द्वारा रविवार को श्रावण मास की पवित्र शिवरात्रि मनाई गई। श्री हाटकेश्वर महादेव को 11 प्रकार के द्रव्यों के माध्यम से लघुरुद्र, महाभिषेक में गंगाजल, श्रीफल जल, भांग, इत्र गन्ने का रस, कुएं का जल, समुद्र जल, गुलाब जल, भस्म, केसर और पंचामृत आदि 11 प्रकार के द्रव्यों से महादेवजी को अर्पित किया गया। श्री गंगाधरभाई भट्ट एवं ब्रह्म समाज संस्कारकर्मी भूदेव द्वारा वेदोक्त मंत्रोच्चारण के साथ मंदिर के श्रद्धालुओं, दानदाताओं एवं समाज के परिवारजनों एवं सभी आगंतुकों द्वारा स्वयं अभिषेक ढोल शहनाई संगीत के साथ किया गया। फिर शाम 6 बजे बहनों द्वारा शिव पूजन के बाद 7 बजे श्रृंगार, महादीपमाला, महाभोग लगाया गया। उसके बाद 7:15 बजे महाआरती की गई। उसके बाद मंत्रों और मालाओं के माध्यम से महादेवजी की पूजा-अर्चना की गई। जिसमें मंदिर के दानदाताओं एवं सभी दर्शनार्थियों, दीव के पत्रकारों, मीडियाकर्मियों एवं ब्रह्म समाज द्वारा यश एवं प्रतिष्ठा की वृद्धि के लिए प्रार्थना की गई तथा महादेवजी को मंत्र पुष्प अर्पित किए गए। पूजन यजमान अरविंद जेठवा द्वारा किया गया। अंत में सभी श्रद्धालुओं ने ओम नमः शिवाय, हर हर महादेव के मंत्र के जाप से मंदिर को गुंजायमान कर दिया। साथ ही सभी श्रद्धालुओं ने पवित्र श्रावण माह की शुभकामनाएं दीं और फराली महाभोग का प्रसाद चढ़ाने के साथ व्रत रखा। ब्रह्म समाज की ओर से सभी श्रद्धालुओं एवं मीडिया कर्मियों को भी धन्यवाद दिया गया।

रोजाना पैदल चलने से पास नहीं फटकेगी कई बीमारियां

नई दिल्ली (ईएमएस)। पैदल चलना एक ऐसी दवा है, जो बहुत सी बीमारियों को पास फटकने भी देती और साथ ही खुद को बेहतर फील कराने के साथ शरीर पर चर्बी और मोटापा भी नहीं चढ़ने देती। स्वीडन की यूनिवर्सिटी आ-ॅफ काल्मर में 14 रिसर्चर्स ने एक स्टडी में यह साबित किया है पैदल चलने के कितने फायदे हैं और ये भी बताया कि किस उम्र के व्यक्ति को कितने कदम रोज चलना चाहिए।अगर उम्र के हिसाब से इतने कदम रोज चलें तो ना केवल वजन कंट्रोल किया जा सकता है बल्कि कई लाइफस्टाइल संबंधी बीमारियों को काबू में लाया जा सकता है। मसलन वजन बढ़ना और इसके साथ ही हार्टडिजीज, डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेसर जैसी बीमारियां नई जीवनशैली के कारण ज्यादा पैदा हो रही हैं। पैदल चलने से इनमें कई तरह के फायदे मिलते हैं।इसी रिसर्च के आधार पर यहां हम आपको बता सकते हैं कि चाहे उम्र कितनी भी हो लेकिन पैदल चलना तो आदत में डाल ही लेना चाहिए। वो बहुत फायदेमंद है। जैसे 06 साल से 17 साल के बच्चों को तो खूब पैदल चलना चाहिए और खेलना कूदना चाहिए। दौड़ना चाहिए। उन्हें एक दिन में 15000 स्टेप्स जरूर लेना चाहिए। लड़िकयां 12,000 कदम चलें तो अच्छा रहेगा। 18-40 वर्ष के पुरुषों को 12,000 कदम चलना चाहिए। वो चाहें तो सुबह शाम पार्क पर वाक करें या पैदल ही आसपास जाने की आदत डाल लें। 40-45 साल की महिलाओं को भी आमतौर पर शिकायत होने लगती है कि उनका वजन तेजी से बढ़ रहा है साथ ही शरीर में कई तरह के बदलाव होने लगते हैं। उन्हें भी स्वस्थ रहने और वजन को काबू में रखने के लिए रोजाना 11,000 कदमों का अभ्यास जरूर करना चाहिए। ये ख्याल रखें चलने का मतलब है सुस्ती के साथ चलना नहीं बल्कि जोश और तेजी से पैरों को बढ़ाना।50 साल से ऊपर के पुरुष एनर्जी के तौर पर और ढीला फील करते हैं। ऐसे में खुश रहने के अलावा अगर वो 11,000 कदम रोज चलें तो ये एक तरह से उनके लिए कंपलीट टॉनिक जैसा होता है। 50-60 साल की महिलाओं को 10,000 कदम रोज चलना बेहतर रहेगा। ऐसा नहीं है कि 60 साल से ऊपर वालों को पैदल चलना छोड़ देना चाहिए। बल्कि हकीकत तो ये है कि इस उम्र में रोजाना की वॉक आपको और ताजगी और एनर्जी देती है,। जीने को लेकर एक सकारात्मक फीलिंग भी। अगर आप 60 के ऊपर हो रहे हों तो 8,000 स्टेप्स जरूर चलें। माना जाता है कि आपको 30-40 मिनट पैदल तो रोज जरूर चलना चाहिए। व्यस्क होने के बाद शरीर का मेटाबॉलिज्म बदलता है। एनर्जी कुछ कम होने लगती है। हमें थकान और जीवनशैली की बीमारियां इसी दौर से शिकार बनाने लगती हैं। ऐसे में भी पैदल चलना फायदा देता है।

मानसूनी सीजन: हिमाचल में 271 लोगों की मौत, 30 अभी भी लापता, 40 जगहों पर हुआ भूस्खलन

शिमला(ईएमएस)। मानसून के इस सीजन में भारी जानमाल का नुकसान हुआ है। हिमाचल प्रदेश में मानसून में अब तक 271 लोगों की मौत हो चुकी है। भूस्खलन, बाढ़ और बादल फटने से 64 लोगों की मृत्यु हुई है, जबकि 30 लोग अब भी लापता हैं। लापता लोगों में रामपुर के समेज के 14 लोग शामिल हैं। बादल फटने के बाद समेज गांव में आई बाढ़ में 36 लोग लापता हुए थे, इनमें अब तक 22 के ही शव मिले हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने प्रदेश में मानसून में हुए नुकसान की प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट के अनुसार 23 लोगों की मौत बादल फटने, 26 की बाढ़ के बाद डूबने व बहने, छह लोगों की मौत भूस्खलन के कारण व आठ लोगों की मौत बाढ़ के कारण हुई है। एक व्यक्ति की मौत बिजली गिरने से हुई है। प्रदेश में रविवार को नाहन में 20 मिलीमीटर, मंडी में 15 और डलहौजी में चार मिलीमीटर वर्षा हुई। रविवार को प्रदेश में धूप और बादलों के बीच अधिकतम तापमान में एक से तीन डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को प्रदेश के अधिकतर स्थानों पर मौसम के साफ रहने या बादल छाने का अनुमान है। तीन सितंबर को आंधी व भारी वर्षा होने की चेतावनी जारी की है। प्रदेश में 51 सड़के बंद हैं, जिन्हें खोलने के प्रयास किए जा रहे हैं। कुछ क्षेत्रों में 16 ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण बिजली आपूर्ति बाधित है।इनके अलावा सर्पदंश से 25, करंट लगने से 15 और गिरने के कारण 38 लोगों की जान गई है। 120 लोगों की मौत वर्षा के दौरान सड़क हादसों और नौ की जान अलग कारणों से गई है। मानसून सीजन में प्रदेश में बादल फटने और बाढ़ की 51 घटनाएं हुई हैं। भूस्खलन की 40 घटनाएं दर्ज की गईं। मनाली-लेह और दारचा जंस्कार मार्ग पर वाहनों की आवाजाही सुचारू है। शिंकुला दर्रे में भी वाहनों की आवाजाही हो रही है। स्पीति के लोसर में क्षतिग्रस्त चिचोंग पुल का कार्य भी जारी है। लाहुल घाटी के काडू नाले में भूस्खलन हो रहा है।

नौकरशाही इतिहास में इत्तेफाक, पति को विदा कर पत्नी बनी मुख्य सचिव

तिरुवनंतपुरम,(ईएमएस)। केरल के एक अजीब इत्तेफाक हुआ। पहली बार मुख्य सचिव का पद पति के बाद पत्नी ने संभाला। निवर्तमान मुख्य सचिव वी वेणु के विदाई समारोह में केरल के सीएम पी. विजयन ने इसका जिक्र किया। वी वेणु शनिवार को सीएस के पद से रिटायर हुए हैं। अब वेणु के बाद उनकी पत्नी शारदा मुरलीधरन केरल राज्य की मुख्य सचिव का पद संभाला है। इससे पहले वह अतिरिक्त मुख्य सचिव पद पर कार्य कर रही थीं। सीएम ने वेणु के विदाई समारोह में राज्य में ऐसे अन्य उदाहरण भी दिए। सीएम विजयन ने कहा कि इससे पहले कलेक्टर के पद के लिए भी पति-पत्नी ने एक से दूसरे को कार्यभार सौंपा था। केरल के नौकरशाही इतिहास में हुए इस दुर्लभ बदलाव पर मुख्य सचिव बनीं मुरलीधरण ने कहा कि ये क्षण उनके लिए अजीब सा है, क्योंकि उन्हें अपने पति को विदाई देनी पड़ रही है। मुरलीधरण ने कहा कि वह और उनके पति ने 34 सालों से एक साथ काम किया है, लेकिन उन्होंने इस सच के बारे में सोचा ही नहीं था कि वह कभी एक साथ अपनी सेवा को नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि अब मुझे चिंता इस बात की है कि अब मुझे पति के रिटायर होने के बाद भी आठ महीने तक सेवा देनी पड़ेंगी।

वैश्विक संकेत : अमेरिकी बादशाहत का अंत निकट तो नहीं

प्रहलाद सबनानी

एक अनुमान के अनुसार, अमेरिका में तीन से साढ़े तीन करोड़ नागरिक स्थायी निम्नवर्ग की श्रेणी में आते हैं, जो अमेरिका की कुल 32.5 करोड़ जनसंख्या का 10 प्रतिशत है। प्रत्येक 5 अमेरिकी बच्चों में से एक बच्चा गरीब वर्ग का है। इतना अधिक खर्च करने के बाद भी अमेरिका में सामाजिक सहायता व्यवस्था अन्य अमीर एवं विकसित देशों की तुलना में कमतर ही मानी जाती है। करोड़ों अमेरिकी नागरिकों को प्राथमिक केयर डॉक्टर की सुविधा उपलब्ध नहीं है।

अमेरिका विश्व के लगभग समस्त देशों पर अपनी चौधराहट सफलतापूर्वक लागू करता रहा है। पूरे विश्व में, एक तरह से लगभग समस्त क्षेत्रों में, विभिन्न प्रकार की नीतियों को प्रभावित करने में अमेरिका सफल रहा है एवं इस प्रकार अपनी प्रसारवादी नीतियों को भी लागू करता रहा है। परंतु, हाल ही के वर्षों में अमेरिका की आंतरिक स्थिति, लगभग समस्त क्षेत्रों यथा आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक आदि में लगातार बिगड़ती जा रही है। अमेरिका सहित विकसित देशों की, आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र में, आंतरिक स्थिति को देखते हुए अब तो पश्चिमी सभ्यता पर ही प्रश्नचिन्ह लगने लगे हैं। अमेरिका सहित अन्य विकसित देशों में आर्थिक विपन्नता एवं परिवार तथा समाज के खंड-खंड होने के बाद पश्चिमी सभ्यता को पतित सभ्यता कहा जाने लगा है और इसे अब अमेरिकी बादशाहत के अंत की शुरूआत भी माना जाने लगा है।

अमेरिका में तो राष्ट्रीय ऋण 35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है जबकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था का आकार, सकल घरेलू उत्पाद के आधार पर, लगभग 25 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। इसका आशय यह है कि आय की तुलना में ऋण अधिक ले लिया गया है। अमेरिकी वित्त व्यवस्था पर दबाव इतना अधिक बढ़ गया है कि अमेरिकी सरकार को अपने सामान्य खर्चों को चलाने के लिए भी बाजार से और अधिक ऋण लेने की आवश्यकता पड़ती है और इस उद्देश्य से प्रति वर्ष अमेरिकी संसद में स्वीकृति प्राप्त करने हेतु पहुंचना होता है। यह स्थिति है विश्व के सबसे अधिक शक्तिशाली देश अमेरिका की।

वर्ष 1776 में जब पूंजीवाद के जनक कहे जाने वाले एडम स्मिथ ने अपनी कृति 'द वेल्थ आफ नेशनस' नामक किताब जारी की थी उस समय पूंजीवाद अपने शैशावस्था में ही था। उनका महत्वपूर्ण मुख्य सिद्धांत था कि व्यवसायी, जो अपनी लाभप्रदता को अधिकतम करना चाहते हैं, वे अपने व्यवसाय को बहुत ही कुशलता के साथ चलाना चाहते हैं। इस तरह ये व्यवसायी न केवल अपने आप को धनाडय बनाएंगे बल्कि वह देश इन धनाढ्यों के संसाधनों को जोड़कर स्वयं भी एक धनी देश बन जाएगा। पूरी 19वीं शताब्दी एवं 20वीं शताब्दी में अमेरिका इसी सिद्धांत पर कार्य करता रहा है एवं अपने देश में धनाढ्यों की संख्या में अपार वृद्धि करता रहा है। इससे अमेरिकी नागरिकों में व्यक्तिवाद पनपा एवं वे परिवार एवं समाज के भले को भूलकर केवल अपने बारे में ही सोचने लगे एवं अपने व्यापार को पूरे विश्व में फैलाने लगे। इससे अमेरिका में गरीबों की संख्या में लगातार वृद्धि होती रही।

अमेरिका की 1940 के दशक में पूरे विश्व के विनिर्माण क्षेत्र में 50 प्रतिशत की हिस्सेदारी हो गई थी, परंतु अब यह घटकर 17 प्रतिशत से भी कम हो गई है। कई उद्योगों के मामले में उत्पादन का जो एकाधिकार अमेरिका के पास होता था वह एकाधिकार अब अन्य देशों के पास चला गया है। अमेरिकी कम्पनियों ने कुशल कर्मचारियों को आकर्षित करने के उद्देश्य से कर्मचारियों के स्वास्थ्य खर्चे की पूरी लागत स्वयं वहन करना प्रारम्भ किया था। अमेरिका में श्रम लागत भी बहुत अधिक बढ़ चुकी थी, अन्य देशों में श्रमिक, अमेरिकी श्रम लागत की तुलना में, आधी से भी कम राशि में ही काम करने को तैयार हो रहे थे। इस बीच अमेरिकी सरकार ने आय कर की दरें भी बढ़ाकर 35 प्रतिशत से अधिक कर दी थीं। जबकि अन्य देशों में आय कर की दरें 20/25 प्रतिशत थीं। इससे अमेरिका में विभिन्न उत्पादों की उत्पादन लागत बढ़ने लगी।

अतः धीरे-धीरे अमेरिका में विनिर्माण इकाईयां बंद होने लगीं। वर्ष 1979 में अमेरिका में 20 प्रतिशत श्रमिक विनिर्माण इकाईयों में कार्यरत थे अब यह संख्या घटकर 10 प्रतिशत से भी कम हो गई है। अमेरिका में 2 करोड़ कर्मचारी विनिर्माण इकाईयों में कार्य कर रहे थे जो घटकर 1 करोड़ 20 लाख हो गए हैं। अमेरिका में जब प्रथम राष्ट्रपति ने शपथ ली थी उस समय 10 श्रमिकों में से 9 श्रमिक कृषि क्षेत्र में कार्यरत थे (छोटे कृषक) जबकि आज केवल 2 प्रतिशत श्रमिक ही कृषि क्षेत्र में कार्य करते हैं। इस प्रकार अमेरिका में रोजगार की दृष्टि से कृषि एवं उद्योग क्षेत्र में बहुत अधिक संकुचन हुआ है।

1950 के दशक से लेकर अमेरिका में स्टील उद्योग, कपड़ा उद्योग (वस्त्र, परिधान एवं टेक्सटाइल), उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग लगभग समाप्त से हो गए हैं। वाहन उद्योग के क्षेत्र की बड़ी-बड़ी कम्पनियों ने अपनी विनिर्माण इकाईयां चीन आदि देशों में स्थापित की हैं। साथ ही, जापान की कई कम्पनियों ने वाहन के क्षेत्र में अमेरिका में आकर अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना की है। इस प्रकार, कुल मिलाकर उक्त उद्योगों में अमेरिकी मूल के नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर बहुत कम हो गए हैं अथवा बिलकुल ही समाप्त हो गए हैं। अमेरिका में उपयोग हो रहे स्मार्ट सेल फोन के 50 प्रतिशत से अधिक उपकरण आयात किए जा रहे हैं एवं इनका उत्पादन अमेरिका में नहीं हो रहा है। ब्यूरो ऑफ लेबर स्टेटिस्टिक्स- मासिक लेबर रिव्यू दिसम्बर 2016 के अनुसार, अमेरिका में प्रति घंटा वास्तविक मजदूरी दर-वर्ष 1947 में 5.35 अमेरिकी डॉलर थी जो वर्ष 1973 में बढ़ कर 9.26 अमेरिकी डॉलर हो गई। परंतु, उसके बाद से लगभग उसी स्तर पर बनी हुई है जो वर्ष 2015 में 9.07 अमेरिकी डॉलर थी। वर्ष 1947 से 1973 के बीच प्रति घंटा वास्तविक मजदूरी दर 73 प्रतिशत से बढ़ी थी जबकि इसी दौरान उत्पादकता में 95 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। वहीं, वर्ष 1973 से 2015 के बीच प्रति घंटा वास्तविक मजदूरी दर 3 प्रतिशत कम हुई है और उत्पादकता 109 प्रतिशत बढ़ी है। इस बीच रोजगार के नए अधिकतम अवसर उच्च मजदूरी वाले क्षेत्रों से घटकर कम मजदूरी वाले क्षेत्रों में बढ़े हैं। जैसे विनिर्माण इकाईयों के बंद होने से भारी संख्या में श्रमिक वर्ग को सेवा क्षेत्र में कम मजदूरी के रोजगार स्वीकार करने पड़े है। वर्ष 1979 के बाद से 40 प्रतिशत से अधिक रोजगार के अवसर विनिर्माण क्षेत्र में कम हुए हैं। साथ ही, तकनीकी विकास ने भी उत्पादकता तो बढ़ाई है परंतु मजदूरी की दरें नहीं बढ़ पाई हैं। अमेरिका में समय के साथ-साथ विनिर्माण इकाईयां बंद होती गईं एवं उच्च तकनीकी, सूचना आधारित सेवा क्षेत्र में, सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्र में, रोजगार के अधिक अवसर उभरते गए। अब तो आउट्सॉर्सिंग के चलते सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसरों पर विपरीत प्रभाव पड़ता दिखाई दे रहा है। अतः अमेरिका में आने वाले समय में विनिर्माण इकाईयों के साथ साथ सेवा क्षेत्र में भी रोजगार के अवसरों में कमी आ सकती है।

उक्त कारणों के चलते अमेरिका में गरीबी की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। गरीबी के चलते इस वर्ग के बच्चों को शिक्षा नहीं मिल पाती है, यह वर्ग बहुत ही तंग हालत में रहता है एवं अंततः सामाजिक अपराधी गतिविधियों में संलग्न हो जाता है। इनके मकानों में बहुत कम सुविधाएं उपलब्ध रहती हैं। अमेरिका में गरीबी रेखा का निर्धारण अमेरिका के कृषि विभाग द्वारा प्रति वर्ष किया जाता है। वर्ष 2015 में गरीबी आंकलन के लिए प्रत्येक चार व्यक्तियों के परिवार के लिए प्रतिवर्ष 24,300 अमेरिकी डॉलर की आय तय की गई थी। इससे कम आय वाले परिवार गरीबी रेखा के नीचे माने जाते हैं। आय की उक्त गणना के आधार पर अमेरिका में 13.5 प्रतिशत परिवार (4.31 करोड़ अमेरिकी नागरिक) गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे थे।

गरीब वर्ग के नागरिकों के आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहने के चलते अमेरिका में 22 लाख अमेरिकी गरीब नागरिक जेलों में बंद थे एवं 50 लाख गरीब नागरिक पैरोल अथवा परीक्षण पर थे एवं अन्य 10 लाख नागरिक जो जेलों से छूट गए थे, वे न तो पेरोल पर थे और न ही परीक्षण पर थे, परंतु वे कभी भी पुनः जेलों में भेजे जा सकते हैं। आपराधिक गतिविधियों में लिप्त नागरिकों के अतिरिक्त 20 लाख से 30 लाख नागरिक ऐसे भी हैं जिनके पास रहने के लिए अपना घर नहीं है जिन्हें यहां 'होमलेस' कहा जाता है। 50 लाख अमेरिकी नागरिक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले रहे हैं एवं 80 लाख नागरिक सामाजिक सुरक्षा एवं विकलांग योजना का लाभ ले रहे हैं।

एक अनुमान के अनुसार, अमेरिका में तीन से साढ़े तीन करोड़ नागरिक स्थायी निम्नवर्ग की श्रेणी में आते हैं, जो अमेरिका की कुल 32.5 करोड़ जनसंख्या का 10 प्रतिशत है। प्रत्येक 5 अमेरिकी बच्चों में से एक बच्चा गरीब वर्ग का है। इतना अधिक खर्च करने के बाद भी अमेरिका में सामाजिक सहायता व्यवस्था अन्य अमीर एवं विकसित देशों की तुलना में कमतर ही मानी जाती है। करोड़ों अमेरिकी नागरिकों को प्राथमिक केयर डॉक्टर की सुविधा उपलब्ध नहीं है। यदि यह सुविधा उपलब्ध भी है तो चार में से केवल एक नागरिक को ही डॉक्टर से उसी दिन का मिलने का समय मिल पाता है। अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों में इस प्रकार के हालात देख कर अब तो कई अर्थशास्त्रियों द्वारा आर्थिक विकास के पूंजीवादी मॉडल पर ही प्रश्नचिन्ह लगाया जाने लगा है एवं यह कहा जा रहा है कि कहीं अमेरिकी स्वप्न का अंत निकट तो नहीं है।

(लेखक, आर्थिक विश्लेषक एवं वरिष्ठ स्तम्भकार हैं।)

संपादकीय

त्वरित न्याय बेहद जरूरी

महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता है, इससे उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में दिए संबोधन में यह बात कही। प्रधान न्यायाधीश ड़ीवाई चंद्रचूड़.की उपस्थिति में प्रधानमंत्री मोदी ने न्यायपालिका को संविधान का संरक्षक बताया। महिलाओं के खिलाफ अत्याचार और बच्चों की सुरक्षा के ज्वलंत मुद्दे का जिक्र करते हुए इसे गंभीर चिंता का विषय कहा। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मामलों में जितनी तेजी से फैसला सुनाया जाएगा, आधी आबादी को अपनी सुरक्षा के बारे में उतना ही भरोसा होगा। दरअसल, महिला अपराधों में पिछले काफी समय से जिस तरह से जोरदार इजाफा हुआ है, उससे कानून लागू करवाने वाली तमाम एजेंसियों के साथ ही समाजशास्त्री तक चिंता में पड़. गए हैं। बेशकङ्क जिला न्यायाधीश, जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक वाली जिला निगरानी समितियां इस प्रकार के अपराधों से पार पाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। हालांकि न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने कहा कि जिला स्तर पर न्यायपालिका लंबित मामलों की समस्या से जूझ रही है, इन चुनौतियों को कम करने के लिए जिला न्यायपालिका का कुशल कामकाज महत्त्वपूर्ण है। कोलकाता की ड़ॉक्टर का रेप और हत्या तथा ठाणे के स्कूल में हुए दो बच्चियों के यौन शोषण की पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री मोदी की यह टिप्पणी आई है। जैसा कि न्यायमूर्ति खन्ना ने पीएम मोदी के सामने ही कहा कि न्यायालयों में ढ़ेरों मामले लंबित हैं। जाहिर है कि न्यायाधीशों की कमी की बात समय-समय पर प्रधान न्यायाधीशों द्वारा उठायी जाती रहती है। संसाधनों की कमी के चलते मामलों का निपटारा समय पर होने में रुकावटें आती रहती हैं। महिलाओं में असुरक्षा की भावना तेजी से बढ़ती जा रही है जो देश और समाज के विकास में बाधक हो सकती है। सवाल सिर्फ त्वरित न्याय का नहीं है।

चिंतन-मनन

एकता में भाषा भी अवरोध

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, उसे भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है. अपनी भाषा के प्रति आकषर्ण होना अस्वाभाविक नहीं है और मातृभाषा व्यक्ति के बौद्धिक विकास का सशक्त माध्यम बन सकती है, इसमें कोई संदेह नहीं. पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकषर्ण होता है, उतना ही आकषर्ण दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है? हमारे पूर्वाचर्यों ने एकता की सर्वोत्तम कसौटी प्रस्तुत की थी। वह है- जो तुम्हारे लिए प्रतिकूल है, वह तुम दूसरों के लिए मत करो। हमारा भाषाई प्रेम उस सीमा तक ही होना चाहिए जहां दूसरों के भाषाई प्रेम से उसकी टक्कर न हो। हर प्रांत का अपना भाषाई प्रेम है। उनके पारस्परिक संपर्क के लिए एक जैसी भाषा भी अपेक्षित होती है, जो उनके प्रेम को अक्षुण्ण रखते हुए एक-दूसरे को मिला सके। वह राष्ट्रीय भाषा होती है। प्रांतीय भाषा के प्रेम को इतना उभार देना कैसे उचित हो सकता है, जिससे प्रांतीय और राष्ट्रीय भाषाओं में परस्पर टकराहट पैदा हो जाए। राष्ट्रीय एकता के लिए इस विषय पर गंभीर चिंतन आवश्यक है।

भाषा की समस्या को मैं सामयिक समस्या मानता हूं। इस समस्या को कभी-कभी उभार दिया जाता है और यह राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती बन जाती है। फिर भी इसमें स्थायित्व नहीं है। इसके आकषर्ण की एक सीमा है। यह लंबे समय तक जनता को आकृष्ट किए नहीं रख सकती। आर्थिक-सामाजिक वैषम्य तथा जातीय और सांप्रदायिक वैमनस्य राष्ट्रीय एकता की स्थाई समस्याएं हैं। इनका समाधान हुए बिना राष्ट्रीय एकता का आधार मजबूत नहीं हो सकता। क्या हित-सिद्धि के भेद की भित्ति पर अभेद का प्रासाद खड़ा किया जा सकता है? क्या हीनता और उच्चता की उबड़-खाबड़ भूमि पर एकता के रथ को ले जाया जा सकता है? ऐसे कभी नहीं हो सकता।

शर्मनाक है नारी शोषण में पक्षपात

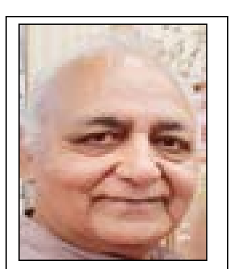

तनवीर जाफ़री

बंगाल की राजधानी महानगर कोलकता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में रात की ड्यूटी अंजाम दे रही एक जूनियर डॉक्टर के साथ 9 अगस्त को हुआ बलात्कार तथा बलात्कार के बाद उसी जूनियर डॉक्टर की बेरहमी से की गयी हत्या का मामला इन दिनों देश के सबसे ज्वलंत मुद्दे के रूप में मीडिया में छाया हुआ है। इस बलात्कार व हत्या के मामले में कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर सीबीआई जांच भी शुरू हो चुकी है। उस समय यह मामला और भी हाई प्रोफाइल हो गया जबकि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गत दिनों पीटीआई को दिए अपने साक्षात्कार में इसी कांड के सम्बन्ध में यह कह दिया कि मैं बहुत निराश और भयभीत हूं। बेटियों के खिलाफ अपराध बर्दाश्त नहीं। राष्ट्रपति ने कहा, बस अब बहुत हुआ। इसके अतिरिक्त भी राष्ट्रपति महोदया ने इसी विषय पर और भी बहुत सी बातें कर हमारे समाज की बेटियों और बहनों के साथ हो रहे इस तरह के अत्याचारों पर गहन चिंता जाहिर की। उन्होंने पूरे समाज का आवाह्न किया कि सब मिलकर इस विकृति का सामना करें ताकि इसे शुरूआत में ही खत्म किया जा सके।

राष्ट्रपति महोदया द्वारा कोलकता रेप व हत्याकांड का जिक्र अपने इंटरव्यू में करने के बाद यह चर्चा भी सुनाई देने लगी है कि क्या बंगाल में इसी शर्मनाक काण्ड की आड़ में निर्वाचित सरकार को अपदस्थ कर वहां राष्ट्रपति शासन भी लगाया जा सकता है ? इससे पहले भी बंगाल में संदेशखाली की कुछ महिलाओं ने कथित तौर पर यह आरोप लगाया था कि मुख्य मंत्री ममता बनर्जी के करीबी तृणमूल नेताओं द्वारा प्रशासन का डर दिखाते हुए उन लोगों पर अत्याचार किया गया। उनकी जमीन छीन कर उस पर कब्जा कर लिया गया। विरोध करने पर हमले किये गये। जमीन लीज पर लेकर पैसे भी नहीं दिये गये, पैसे देने का वादा करने के बावजूद पैसे मार लिये गये और शारीरिक शोषण भी किया गया,आदि आदि। हालांकि इसी मामले में तृणमूल नेताओं पर बलात्कार का आरोप लगाने वाली तीन महिलाओं में से दो ने केस वापस भी ले लिया था। तृणमूल कांग्रेस ने ह्यस्टिंग ऑपरेशनह्ल के एक वीडियो में दावा किया था कि बीजेपी के स्थानीय नेता ने कई महिलाओं से सादे कागज पर दस्तखत करवाए थे और बाद में तृणमूल नेताओं के विरुद्ध बलात्कार व यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करवाने में इन कागजों का प्रयोग किया गया था। इस साजिश के पदार्फाश होने के बाद यह मामला जितनी तेजी से मीडिया में उछाला गया था उतनी ही तेजी से यह दबा भी दिया गया। संदेशखाली की घटना के बाद भी बंगाल में राष्ट्रपति शासन की चर्चा सुनाई देने लगी थी।

बलात्कार हत्या जैसे घृणित अपराध निश्चित रूप से कहीं भी हों इसकी घोर भर्त्सना की जानी चाहिये। शासन व प्रशासन व विधायिका को मिलकर ऐसे उपाय ढूंढने चाहिये जिससे अपराधियों के हौसले पस्त हों और वे ऐसे अपराधों की जुरअत ही न कर सकें। साथ ही समाज को अपने बच्चों को भी शिक्षित करना चाहिये। परन्तु अफसोस तो इस बात का है कि हमारे देश में बलात्कार व हत्या जैसे घिनौने अपराध को लेकर भी राजनीति की हांडी चढ़ा दी जाती है। राज्य में सरकार किस दल की है,यह देखकर बलात्कार का विरोध किया जाता है। और इससे भी शर्मनाक यह कि बलात्कार पीड़िता का धर्म व उसकी जाति देखकर भी मामले का विरोध व समर्थन निर्धारित किया जाता है। आरोपी /अपराधी के रसूख के अनुसार भी उसके साथ बर्ताव किया जाता है। यहाँ तक कि यदि बलात्कार व हत्या का अपराधी बड़ी संख्या में अपने अनुयायी रखता है तो उस पर तो शासन की विशेष कृपा बरसते देखी जा सकती है। खासकर चुनावी बेला में तो ऐसे सफेदपोश अपराधियों को विशेष पेरोल तक दे दी जाती है।

याद कीजिये गुजरात में 2002 में हुए साम्प्रदायिक दंगों के दौरान बिलकीस बानो व उसकी मां के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था तथा उसी समय उनके सामने उन्हीं के परिवार के सात सदस्यों की हत्या भी कर दी गयी थी। इस लोमहर्षक जुर्म में महाराष्ट्र उच्च न्यायालय द्वारा 11 अपराधियों को आजीवन कारावास की सजा दी गयी थी। परन्तु मई 2022 में गुजरात सरकार ने अच्छे चरित्र के आधार पर दोषियों की सजा में छूट देते हुये स्वतंत्रता दिवस के दिन इनको रिहा कर दिया था। एक तरफ तो भारत सहित पूरे विश्व में गुजरात सरकार के इस कदम की घोर आलोचना हुई थी। तो दूसरी तरफ इन हत्यारे बलात्कारियों को मंच पर सुशोभित किया जाने लगा था। इन्हें फूल माला पहनाकर इन हत्यारे बलात्कारियों का स्वागत किया जा रहा था। इसी आलोचना के दौरान एक विश्व हिन्दू परिषद् के पक्षकार विद्वान लेखक ने इन हत्यारे बलात्कारियों का पक्ष लेते हुये अपने आलेख को इस आशय के शीर्षक से सजाया था कि -आखिर हिन्दुओं को भी तो जीने का अधिकार है ? यह तो भला हो सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुयन का जिन्होंने इस मामले में संज्ञान लेते हुये - कहा कि मई 2022 में गुजरात सरकार ने दोषियों की सजा में छूट देकर तथ्यों की उपेक्षा की थी। और इसी टिप्पणी के साथ उन्होंने सभी दोषियों को दो हफ़्ते के भीतर जेल प्रशासन के पास हाज़िर होने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने उसी समय यह भी कहा था कि गुजरात सरकार के पास सजा में छूट देने और इस बारे में कोई फैसला लेने का अधिकार नहीं है। इस तरह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद यह अपराधी पुनः जेल जा सके थे और इन हत्यारे बलात्कारियों के हमदर्दों को अपनी मुंह की खानी पड़ी थी।

इसी तरह जनवरी 2018 के कठुआ,जम्मू के 8 वर्ष की मासूम असिफा बानो के सामूहिक बलात्कार व उसकी हत्या के समय भी बलात्कार समर्थक इन बेशर्मों चेहरा बेनकाब हुआ था। इस घृणित अपराध का साजिशकर्ता एक रिटायर्ड राजस्व अधिकारी था जोकि उस समय एक स्थानीय मंदिर का पुजारी भी था जहाँ कई दिनों तक उस बच्ची के साथ बलात्कार किया जाता रहा। इस घटना को भी धार्मिक रंग देते हुये स्वयं को हिन्दू हितैषी कहने वाले लोग बलात्कारियों के पक्ष में केवल खड़े ही नहीं हुये बल्कि उनके समर्थन में जुलूस निकाले, प्रदर्शन किये और हाथों में तिरंगा लेकर सड़कों पर उतरे। मणिपुर में महिलाओं के साथ क्या कुछ नहीं हुआ। पूरा विश्व उस घिनौनी खबर से हिल गया था जबकि सैकड़ों की भीड़ ने वर्ग विशेष की लड़कियों से नग्न परेड कराई और उनके साथ सामूहिक बलात्कार किये गये। ऐसे अनेक घटनायें मणिपुर में घटीं। उत्तरांचल,मणिपुर राजस्थान,मध्य प्रदेश कहाँ नहीं हो रहा है बलात्कार ? परन्तु क्या मीडिया तो क्या सरकारी तंत्र व विशेष विचारधारा के लोग इन सबको केवल गैर भाजपा शासित राज्यों में ही ऐसे अपराध नजर आते हैं ? यदि बलात्कारियों व हत्यारों को दलगत अथवा धर्म व जाति के चश्मे से देखा जाने लगा यानी नारी शोषण में भी पक्षपात किया जाने लगा फिर हमारे देश के लिये इससे निंदनीय व शर्मनाक और क्या हो सकता है ?

प्रदूषण : साफ-सुथरी न हो सकी यमुना

अखिलेश आर्येन्दु

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की रिपोर्ट के मुताबिक यमुना के पानी में रसायनों की मिलावट की वजह से नदी का पानी नहाने लायक भी नहीं रहा। यह तब है जब दिल्ली सरकार के जरिए यमुना नदी के दिल्ली के हिस्से की सफाई के लिए 2017-21 के मध्य 6,856.91 करोड़ की राशि खर्च की गई।

पिछले तीन सालों में यमुना की सफाई के लिए अलग से 1028 करोड़ रुपये और मंजूर हुए लेकिन यमुना के प्रदूषण में न कमी आई और न इसके पानी की गुणवत्ता में वृद्धि ही हुई। मई, 2024 में दिल्ली सरकार ने वादा किया कि 2025 तक यमुना को पूरी तरह साफ-सुथरा मना दिया जाएगा। हालांकि पर्यावरण विशेषज्ञ मानते हैं कि जिस तरह से यमुना को साफ करने पर काम चल रहा है, उससे नहीं लगता कि फरवरी, 2025 तक दिल्ली क्षेत्र की यमुना की गंदगी को पूरी तरह साफ किया जा सकेगा। कारण है दिल्ली के तमाम सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) काम नहीं कर रहे। ऐसे में फरवरी, 2025 तक यमुना का पानी नहाने लायक बनाने का वादा पूरा हो पाएगा। गौरतलब है नहाने लायह पानी में जरूरी है बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड (बीडीओ) तीन मिग्रा. प्रति लीटर से ज्यादा होनी चाहिए। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि राजधानी में 35 चालू एसटीपी में से केवल 10 ही अपशिष्ट जल के लिए निर्धारित मानकों (बीडीओ और कुल निलंबित ठोस 10 मिग्रा. प्रति लीटर) को पूरा करते हैं, जिनकी क्षमता रोजाना की 150 मिलियन गैलन अपशिष्ट जल उपचारित करने भर की है। दिल्ली की यमुना का इतिहास गौर करने और प्रेरणा लेने के काबिल है। यमुना का इतिहास बताता है कि आजादी के पहले दिल्ली में यमुना का पानी हर तरह से उपयोगी और हर तरह से इस्तेमाल करने के काबिल था। इसके संरक्षण को लेकर सदियों से समाज में संवेदना रही है। सदियों से यमुना मां की तरह लोगों के लिए सम्मान की पात्र थी। यही वजह है यमुना के जल में गंदगी नहीं डाली जाती थी। इसका बहाव गंगा की तरह हमेशा तेज रहा। एक सर्वेक्षण के अनुसार यमुना का वार्षिक जल बहाव 130 मिलियन क्यूबिक मीटर से 100 बिलियन क्यूबिक मीटर तक है। जहां तक यमुना में वर्षा का बहाव का सवाल है तो वह 130 से 1600 मिमी. तक है। लेकिन दिल्ली में इस वर्षा और उसके बहाव का कोई मायने नहीं रह गया है, क्योंकि हमने इससे अपना पुराना रिश्ता बिगाड़ लिया है। दिल्ली में यमुना में एक-दो तरह के जहरीले रसायन नहीं, बल्कि पोटेशियम, नाइट्रोजन, फास्फोरस, बायोमाइड्स जैसे कृषि रसायनों के कारण पिछले 35 वर्षों में चार गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। अरावली से छोटी-छोटी अठारह नदियां पूरी दिल्ली को काटते हुए यमुना में आकर मिलती थीं। इसलिए दिल्ली का इतिहास कई बार बदला। कहने का मतलब जो नदी इतिहास बदलने की कूवत रखती थी, आज इतिहास खुद बनती जा रही है। यमुना दिल्ली की जीवन रेखा मानी जाती थी जिसका पानी राजस्थान के करौली, अलवर और जयपुर से आता था, वह उन अनेक छोटी-छोटी नदियों का पानी था जो गांव वाले बड़ी श्रद्धा के साथ यमुना में बहने देते थे। वह श्रद्धा पिछले 40 वर्षों में क्यों और कैसे खत्म हो गई, यह भी एक समझने-विचारने का बड़ा सवाल है। आजादी के बाद पूरे देश में नदियों के प्रति लोगों का लगाव और रिश्ता धीरे-धीरे कम होता गया। विकास का असर ऐसा हुआ कि नदियां प्रदूषित होती चली गइ्र। इसके पानी का इस्तेमाल करने पर जानवर या पक्षी बीमार पड़.जाते हैं। यमुना में कोई जलचर नहीं रह गया है। कुछ दिखता है तो जलकुंभी और गंदे कपड़े, कबाड़, पॉलीथीन, सड़े हुए जानवरों और पक्षियों के शव। दिल्ली यमुना के किनारे अन्न, फल या सब्जी पहले जैसे तो नहीं उगाई जा रही है, लेकिन जो भी उगती हैं, वे बीमारियों को बढ़ाने वाली साबित हो रहा है।

समझा जा सकता है कि दिल्ली की यमुना अन्य स्थानों की यमुना से कितनी अधिक प्रदूषित हो गई है। कानपुर, प्रयागराज, आगरा और अन्य स्थानों पर जहां यमुना में शहर के नाले और औद्योगिक कचरा गिराया जाता है वहां की गुणवत्ता का मानक नीचे आ गया है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकारों को यमुना में सीधे औद्योगिक कचरा मिलाए जाने पर पाबंदी लगाई हुई है। केंद्रीय जल आयोग, दिल्ली जल बोर्ड, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, घाटी प्रदेशों की सरकारें, पर्यावरण विभाग, भूमि एवं भवन विभाग, सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग, नगर विकास विभाग, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, नगर विकास एवं जल संसाधन मंत्रालय, केंद्रीय भूजल बोर्ड, ऊपरी यमुना नदी बोर्ड और दिल्ली विकास प्राधिकरण आदि ने यमुना को स्वच्छ करने के लिए बहुत प्रयास किए, लेकिन आम जन का सहयोग न मिलने से इसे एक साफ-सुथरी नदी का रूप नहीं दिया जा सका है।

संक्षिप्त समाचार

किराएदारों की शिकायतों पर ब्रिटेन के सिख सांसद ने जताया खेद

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में सत्तारूढ़ लेबर पार्टी से नवनिर्वाचित ब्रिटिश सिख सांसद जस अठवाल ने एक मकान मालिक के रूप में अपने रिकॉर्ड का बचाव किया और खेद जताया है। उनके स्वामित्व वाली संपत्तियों में उनके किरायेदारों की खराब रहने की स्थिति के बारे में अज्ञात शिकायतें की गई हैं। अठवाल ने कहा, फफूंदी और चींटियों के संक्रमण की रिपोर्ट के बाद निवासियों की समस्याओं के बारे में सुनकर उन्हें हैरानी और गहरा खेद हुआ। अपने 15 किराए के फ्लैटों के बारे में उन्होंने वादा किया कि उनकी मरम्मत और रखरखाव की कार्रवाई तत्काल की जाएगी।

ब्रिक्स देशों ने जलवायु और सतत विकास सहयोग ढांचा अपनाया

मास्को, एजेंसी। रूसी आर्थिक विकास मंत्रालय ने कहा है कि ब्रिक्स देशों ने जलवायु व सतत विकास पर एक रूपरेखा दस्तावेज अपनाया है। दस्तावेज में इस दिशा में साझा कार्यों के उचित परिवर्तन, शमन, अनुकूलन, कार्बन बाजार जैसे मुख्य पहलू शामिल हैं। यह दस्तावेज मॉस्को में मॉडर्न कंडीशंस फोरम में दो दिनी ब्रिक्स जलवायु एजेंडा कार्यक्रम के बाद अपनाया गया। ब्रिक्स के सदस्य देश ब्राजील, रूस, भारत और चीन हैं। रूसी आर्थिक विकास मंत्री मैक्सिम रेशेतनिकोव ने कहा, सभी ब्रिक्स देश विकसित देशों द्वारा एकतरफा हरित संरक्षणवादी उपायों का इस्तेमाल रोकने की जरूरतों को समझते हैं, क्योंकि ये उपाय विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था व आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नकारात्मक प्रभाव छोड़ते हैं। ब्रिक्स संपर्क समूह के भीतर विकसित दूसरा दस्तावेज, ब्रिक्स कार्बन बाजार साझेदारी पर एक समझौता ज्ञापन है।

लंदन में ब्रिटिश साम्राज्य का इतिहास बताने के लिए नाटक का आयोजन

लंदन, एजेंसी। भारतीय मूल के नाटककार डॉ. अनु कुमार लाजर ने ईस्ट इंडिया कंपनी और ब्रिटिश साम्राज्य की कहानी बताने के लिए पूर्व राजनयिक के साथ हाथ मिलाकर लंदन शहर को अपने मंच के रूप में चुना है। उन्होंने लिसा होनान के साथ 'ए लंदन लार्क राइजिंग' नामक एक नाटकीय वॉकिंग टूर जीवंत किया, जो ब्रिटेन में सैकड़ों वर्षों का इतिहास दर्शाते हुए कई प्रसिद्ध ऐतिहासिक चरित्रों को प्रदर्शित कर रहा है। पैदल नाटक सैकड़ों वर्षों के इतिहास को समेटे हुए है, जो दर्शकों को लंदन की प्राचीन विरासत के बारे में बताता है।

दक्षिण कोरिया में लंपी वायरस की दस्तक, इस साल दूसरा मामला आया सामने, 4 गायें संक्रमित

सोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में लंपी वायरस का एक और मामला सामने आया है। कृषि मंत्रालय ने कहा कि एलएसडी के दूसरे मामले की पुष्टि शनिवार को ग्योंगगी के इचोन में एक मवेशी फार्म में हुई है। योनहाप समाचार एजेंसी ने मंत्रालय के हवाले से बताया कि मवेशी फार्म के मालिक ने रिपोर्ट सौंपी थी। अधिकारियों ने उनकी जांच की तो चार डेयरी गायों के लंपी बीमारी से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। दक्षिण कोरिया में इस साल एलएसडी के पहले मामले की पुष्टि 12 अगस्त को हुई थी। सोल से लगभग 65 किमी दक्षिण में अनसेओंग में एक मवेशी फार्म में संक्रमण पाया गया था। मंत्रालय ने कहा कि आगे संक्रमण को रोकने के लिए, प्रभावित फार्म को प्रतिबंधित कर दिया है। साथ ही संक्रमित मवेशियों को क्वारंटीन करने की व्यवस्था कर दी गई है। गाइडलाइन के अनुसार संक्रमित गायों को खत्म कर दिया जाएगा। एलएसडी एक संक्रामक बीमारी है। इससे त्वचा पर घाव, बुखार और भूख न लगने की समस्या उत्पन्न होती है। इससे दुग्ध उत्पादन पर असर पड़ता है और आगे चलकर मवेशियों की मृत्यु भी हो जाती है। यह मच्छरों और अन्य खून पीने वाले कीड़ों के जरिए मवेशियों में फैलता है।

अमेरिका के मिसीसिपी में बस हादसा; 7 लोगों की मौत, 37 अन्य घायल

मिसीसिपी, एजेंसी। अमेरिका के मिसीसिपी में शनिवार सुबह अंतरराज्यीय मार्ग– 20 पर एक बस के पलट जाने से सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 37 अन्य घायल हुए हैं। 'मिसीसिपी हाईवे पेट्रोल ने यह जानकारी दी। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, छह यात्रियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि एक अन्य की अस्पताल में मौत हुई। बस वॉरेन काउंटी में बोविना के पास राजमार्ग से फिसलकर पलट गई। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर जारी पोस्ट में बताया कि दुर्घटना टायर फटने की वजह से हुई। वॉरेन काउंटी के कोरोनर डग हस्की ने बताया कि मृतकों में छह वर्षीय एक लड़का और उसकी 16 वर्षीय बहन शामिल हैं। दोनों की पहचान उनकी मां ने की। उन्होंने बताया कि अधिकारी अन्य मृतकों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। विज्ञप्ति के मुताबिक, 37 यात्रियों को विक्सबर्ग और जैक्सन के अस्पतालों में ले जाया गया।

तलाकशुदा राजकुमारी ने 3 साल छोटे तांत्रिक से रचाई शादी, कोरोना भगाने को बेच चुका ताबीज

ओस्लो , एजेंसी। नॉर्वे की तलाकशुदा राजकुमारी मार्था लुईस ने अमेरिकी स्वघोषित जादूगर ड्यूरेक वेरेट से शादी कर ली है। दोनों ने शनिवार को एक निजी कार्यक्रम में शादी रचाई। दोनों 2019 से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे और 2022 में उन्होंने सगाई की थी। मार्था की पहले पति से तीन बेटियां हैं। उनका तलाक 2017 में हो गया था। मार्था ने जिस तांत्रिक से शादी की है, नॉर्वे में उन्हें मीडिया महाठग कहती है। कोरोना काल में लोगों को बचने के लिए ताबीज बांट चुके वेरेट को चोरी के मामलों में कई बार गिरफ्तार किया जा चुका है। वह एक बार बस पर बिना टिकट सफर करते हुए भी पकड़े गए थे।

52 वर्षीय तलाकशुदा मार्था लुईस और कैलिफोर्निया के 49 वर्षीय वेरेट ने शनिवार को नॉर्वे के एक छोटे से गांव में शादी की। शादी में कुछ ही लोग शामिल हुए। शादी नॉर्वे के पश्चिमी तट पर फिओर्ड के किनारे बसे गांव गीरांगर की पहाड़ियों में एक होटल में हुई। नॉर्वेजियन प्रेस द्वारा ली गई तस्वीरों के अनुसार, मार्था लुईस ने एक पारंपरिक सफेद शादी की पोशाक और एक मुकुट पहना था, जो उसे उसके दादा राजा ओलाव ने उसके 18वें जन्मदिन पर दिया था। वहीं, ड्यूरेक ने काले रंग का सूट और सुनहरे रंग का कमरबंद पहना था।

फरिश्तों से बात करने का स्कूल चलाती हैं लुईस : लुईस दावा कर चुकी हैं कि वह एक दिव्यदर्शी हैं, जो फरिश्तों से बात कर सकती हैं। उनका कहना है कि यह एक ऐसा उपहार है जिसे उन्होंने पुस्तकों का अध्ययन करने के बाद प्राप्त किया। इसके लिए उन्होंने 2007 में एक स्कूल भी खोला। इसमें वो दावा करती हैं कि स्कूल में जादू करना और देवताओं से बात करना सिखाया जाता है। वहीं, कैलिफोर्निया निवासी 49 वर्षीय वेरेट स्वयं को छठी पीढ़ी का जादूगर कहते हैं। वेरेट ने कोरोना काल में लोगों को जान बचाने के लिए ताबीज भी बांटे थे।

वेरेट का दावा– लुईस पिछले जन्म में भी मेरी पत्नी : जून 2022 में इस जोड़े द्वारा अपनी सगाई की घोषणा की थी, तब मार्था लुईस ने इंस्टाग्राम पर कहा था, मैं बहुत आध्यात्मिक हूं और ऐसे ही व्यक्ति के साथ रहना अच्छा है जो इसे अपनाता है। वेरेट के अनुयायियों में हॉलीवुड की मशहूर हस्तियां ग्वेनेथ पाल्ट्रो और एंटोनियो बैंडेरस शामिल हैं। वेरेट का दावा है कि वे पिछले जन्म में भी मार्था लुईस के पति थे।

मार्था लुईस की पहली शादी : मार्था लुईस की पहली शादी नॉर्वेजियन लेखक एरी बेहन से हुई थी, जिससे उनकी तीन बेटियां हैं। एरी बेहन ने 2016 में तलाक के तीन साल बाद आत्महत्या कर ली थी। वह नॉर्वे के सिंहासन की उत्तराधिकारिणी में चौथे स्थान पर हैं। उनके छोटे भाई क्राउन प्रिंस हाकोन एक दिन राजा हेराल्ड का उत्तराधिकारी बनेंगे। मार्था लुईस ने नवंबर 2022 में अपने शाही कर्तव्यों को त्याग दिया था। हालांकि उन्होंने अपना खिताब बरकरार रखा।

कोरोना से बचने को ताबीज भी बेचते हैं वेरेट : मार्था लुईस पर नॉर्वे की मीडिया डायन-चुड़ैलों को बढ़ावा देने का आरोप लगा चुकी हैं। सबसे ज्यादा आलोचना वेरेट को झेलनी पड़ी है। प्रेस में उन्हें महाठग बुलाती है। अपनी एक पुस्तक में उन्होंने सुझाव दिया था कि कैंसर एक विकल्प हो सकता है। इतना ही नहीं उन्होंने महिलाओं को अपने पिछले यौन साथियों द्वारा छोड़े गए निशान को हटाने के लिए व्यायाम की सिफारिश भी की थी। अपनी वेबसाइट पर वह 222 डॉलर का ताबीज भी बेचते हैं, जिसके बारे में उनका दावा है कि इससे उन्हें कोरोना बीमारी नहीं छू पाएगी।

एक साथ 2000 लोगों ने अपनाया सनातन धर्म : काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में विश्व हिंदू परिषद ने हाल ही में एक बड़ा घर वापसी कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें 2000 ईसाइयों ने स्वेच्छा से हिंदू धर्म को अपनाया। इस कार्यक्रम में नेपाल के विभिन्न क्षेत्रों से आए हजारों लोगों की घर वापसी की गई। इस घर वापसी कार्यक्रम का आयोजन विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री और प्रदेश अध्यक्ष ने किया। ईसाई धर्म से लौटे लोगों को वैदिक मंत्रोच्चार और हिंदू विधि-विधान के अनुसार सनातन धर्म में शामिल किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी घर वापसी करने वाले लोग बहुत खुश नजर आए। भीम पराजुली ने बताया कि जिन लोगों ने प्रलोभन या अज्ञानता के कारण ईसाई धर्म अपनाया था, उन्हें अब स्वेच्छा से हिंदू धर्म में वापसी की गई। सुनसरी, मोरंग और अन्य जिलों से हजारों लोग इस कार्यक्रम में शामिल हुए। घर वापसी करने वालों को हनुमान चालीसा भी वितरित की गई।

आतंकवादियों ने अपहृत पाक सैन्य अधिकारी सहित 4 लोगों को किया मुक्त

इस्लामाबाद, एजेंसी। आतंकवादियों ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का गढ़ रह चुके डेरा इस्माइल खान से तीन दिन पहले अपहृत एक सैन्य अधिकारी सहित चार लोगों को शनिवार को मुक्त कर दिया। पाकिस्तानी सेना ने बताया कि आतंकवादियों ने लेफ्टिनेंट कर्नल खालिद अमीर को बुधवार को उस समय अगवा कर लिया था, जब वह अपने पिता के जनाजे में शामिल लोगों का मस्जिद में इंतजार कर रहे थे। सेना ने एक बयान में कहा कि लेफ्टिनेंट कर्नल खालिद और उनके तीन रिश्तेदारों की बिना शर्त रिहाई कबायली बुजुर्गों के दखल के कारण मुमकिन हो पाई और चारों अपहृत लोग सुरक्षित अपने घर लौट गए हैं। सेना ने घटना के संबंध में कोई अन्य जानकारी नहीं दी। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के अशांत डेरा इस्माइल खान इलाके में एक सैन्य अधिकारी और उसके तीन रिश्तेदारों के अपहरण की घटना की किसी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली थी। हालांकि, अपहरण के कुछ घंटों बाद जारी वीडियो बयान में दो अपहृत लोग यह कहते हुए नजर आए थे कि वे पाकिस्तानी तालिबान के कब्जे में हैं। वे वीडियो में सरकार से अपहरणकर्ताओं की सभी मांगें मानने का अनुरोध करते भी नजर आए। हालांकि, वीडियो में मांगें स्पष्ट नहीं की गई थीं। पाकिस्तान में टीटीपी अक्सर सुरक्षा बलों को निशाना बनाता है, लेकिन अपहरण और रिहाई की इस तरह की घटनाएं दुर्लभ हैं। टीटीपी अफगान तालिबान से अलग संगठन है, लेकिन दोनों के बीच गहरे रिश्ते हैं। वर्ष 2021 में तालिबान के अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज होने के बाद से टीटीपी का हौसला बढ़ा है।

बस में महिला ने यात्रियों पर चाकू से ताबड़तोड़ हमले, 6 लोग घायल

बर्लिन, एजेंसी। पश्चिम जर्मनी में एक बस में चाकूबाजी की घटना में छह लोगों के घायल हो जाने के बाद पुलिस ने 32 वर्षीय एक महिला को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में राजनीतिक या धार्मिक मंशा का कोई सबूत नहीं मिला है। पुलिस ने शुक्रवार शाम को कहा था कि जिन लोगों पर चाकू से हमला किया गया, उनमें तीन की स्थिति नाजुक है। कोलोन शहर के पास सिएगेन में शुक्रकवार को शाम करीब सात बजकर 40 मिनट पर यह हमला हुआ। बस एक स्थानीय उत्सव के लिए जा रही थी और उसमें कम से कम 40 लोग सवार थे। पुलिस एवं अभियोजकों ने बताया कि इस हमले में 16 से 30 साल तक के छह स्थानीय लोग घायल हुए जिनमें से तीन को उपचार के बाद शनिवार सुबह अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी। सिएगेन में चाकूबाजी सोलीनगेन के चाकू हमले के एक सप्ताह बाद हुई है। सिएगेन और सोलीनगेन दोनों ही उत्तरी राइन वेस्ट्फ़ेलिया में हैं। करीब एक सप्ताह पहले सोलीनगेन में एक संदिग्ध इस्लामिक चरमपंथी पर तीन लोगों की हत्या तथा आठ अन्य को घायल करने का आरोप लगा था।

क्रैश हुआ विमान कई मकानों से टकराया, भयंकर आग से कई लोगों की मौत

पोर्टलैंड, एजेंसी। अमेरिका में पोर्टलैंड के पूर्वी इलाके में शनिवार सुबह एक छोटे विमान के कई मकानों से टकरा जाने से उनमें आग लग गई और कई लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि विमान में दो लोग सवार थे और कम से कम एक निवासी लापता है, लेकिन ताजा जानकारी के अनुसार हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है। पोर्टलैंड में 'केजीडब्ल्यू-टीवी द्वारा प्रसारित तस्वीरों और वीडियो में एक मकान में आग लगी हुई दिखाई दे रही है, जबकि आसपास के घरों से काला धुआं निकलता नजर आ रहा है। ग्रेशम के दमकल विभाग के प्रमुख स्कॉट लुइस ने बताया कि आग कम से कम चार मकानों में फैल गई, जिसके कारण छह परिवार विस्थापित हो गए। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर दो लोगों का इलाज किया गया, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि ये लोग कैसे घायल हुए और उनकी चोटें कितनी गंभीर हैं। संघीय विमानन प्रशासन ने विमान की पहचान दोहरे इंजन वाले 'सेसना 421सी के रूप में की है। उसने बताया कि यह विमान पोर्टलैंड से पूर्व की ओर लगभग 30 मिनट की दूरी पर स्थित ट्राउटडेल हवाई अड्डे के पास सुबह करीब साढ़े दस बजे दुर्घटनाग्रस्त हुआ। मल्टनोमा काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, विमान के नीचे गिरने से एक खंभा और बिजली के तार टूट गए, जिससे पास के एक खेत में आग लग गई। फेयरव्यू शहर के आवासीय क्षेत्र में मकानों से टकराने के बाद विमान के कई हिस्से हो गए। इस क्षेत्र में करीब 10,000 लोग रहते हैं। लुइस ने बताया कि आग लगने के बारे में पहला फोन कॉल ट्राउटडेल हवाई अड्डे के 'कंट्रोल टॉवर के कर्मचारियों ने किया था, जिन्होंने धुएं का घना गुबार उठते देखा था, लेकिन शुरुआती रिपोर्ट से पता

चलता है कि विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले ''आपात स्थिति को लेकर कोई कॉल नहीं आया था। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड दुर्घटना की जांच कर रहा है। इसके प्रवक्ता पीटर नडसन ने बताया कि एजेंसी ने दुर्घटनास्थल पर दो जांचकर्ताओं को भेजा है, जो मलबे का दस्तावेजीकरण करेंगे। उन्होंने दुर्घटना के बारे में और कोई जानकारी नहीं दी।

ताइवान को फिर डराने की कोशिश, सीमा पर मंडराए 10 चाइनीज लड़ाकू विमान : ताइपे, एजेंसी। चीन ने शनिवार को फिलीपीन के एक तटरक्षक जहाज पर जानबूझकर चीनी जहाज को टक्कर मारने का आरोप लगाया है। चीनी तटरक्षक बल के प्रवक्ता लियू देजुन के हवाले से कहा गया कि पतवार संख्या 9701 वाला फिलीपीन जहाज शनिवार दोपहर चीन के जहाज-5205 से टकरा गया। लियू ने दावा किया कि फिलीपीन के जहाज ने चीनी तटरक्षक जहाज को 'खतरनाक तरीके से जानबूझकर टक्कर मारी।' बिना अधिक विवरण दिए उन्होंने कहा कि चीनी जहाज नियमानुसार संचालित हो रहा था। बता दें, चीन अपनी सेना का तेजी से विस्तार कर रहा है और दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा जताने में वह लगातार मुखर होता जा रहा है।

अदन की खाड़ी में मालवाहक जहाज पर हुए हमले की जिम्मेदारी हूती ने ली

सना, एजेंसी। अदन की खाड़ी में ग्रोटन नामक मालवाहक जहाज पर हुए हमले की जिम्मेदारी हूती ने ली है। शनिवार को यमन में हूती विद्रोहियों द्वारा संचालित अल-मसीराह टीवी पर हूती प्रवक्ता याहया सारिया ने कहा, हमने फिलिस्तीन और हमास के समर्थन में अदन की खाड़ी में ग्रोटन जहाज पर हमला किया, क्योंकि इस जहाज की मालिकाना हक वाली कंपनी इजरायल के साथ व्यापार कर रही थी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, उन्होंने कहा, मिलाइलों और ड्रोन्स को इस हमले के लिए इस्तेमाल किया गया। सारिया ने आगे कहा कि यह दूसरी बार है जब हूती ने किसी जहाज को अगस्त महीने में निशाना बनाया है। पहला हमला 3 अगस्त को किया गया था, और इस बात की चेतावनी जारी की गई थी कि अभी और जहाजों को निशाना बनाया जाएगा। इंग्लैंड के मेरी टाइम ट्रेड ऑपरेशन ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कहा है कि उन्हें यमन दक्षिणी बंदरगाह से पूर्व में 130 नॉटिकल मील की दूरी पर अदन की खाड़ी में एक मालवाहक जहाज पर हमले की खबर मिली। इसमें यह कहा गया था कि

जहाज के पास दो मिसाइलें दागी गईं और सभी क्रू सदस्य सुरक्षित हैं। नवंबर 2023 से हूती कथित तौर पर इजरायल संबंधित मालवाहक जहाजों को निशाना बनाता आ रहा है। हूती लाल सागर और अदन की खाड़ी के अहम समुद्री मार्ग पर पोतों को कई बार निशाना बना चुका है। उसका कहना है कि ऐसा वो गाजा में फिलिस्तीनीयों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए कर रहा है। 2014 के अंत से हूतियों ने उत्तरी यमन के अधिकांश भाग पर नियंत्रण कर रखा है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को राजधानी सना से बाहर होना पड़ा है।

इराक के सलाहुद्दीन प्रांत में बम धमाका, दो नागरिकों की मौत

बगदाद, एजेंसी। इराक के सलाहुद्दीन प्रांत में हुए बम धमाके में दो लोगों की मौत हो गई है। एक पुलिस अधिकारी ने घटना की पुष्टि की है। अधिकारी के अनुसार, बगदाद के उत्तर में स्थित सलाहुद्दीन प्रांत में इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह द्वारा एक बम रखा गया था। अचानक विस्फोट हो गया और इसकी चपेट में आने से दो नागरिकों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सलाहुद्दीन प्रांत के बैजी शहर में शनिवार को एक कार के पास विस्फोट हुआ। सलाहुद्दीन पुलिस कमांड मीडिया कार्यालय के मोहम्मद अल-बाजी के अनुसार, ये विस्फोट इतना जोरदार था कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। यही नहीं, इसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।

बता दें कि 2017 में इस्लामिक स्टेट (आईएस) को इराक से खदेड़ दिया गया था। इसके बावजूद आईएस के लड़ाके इराक में गुरिल्ला हमले कर रहे हैं। आतंकी शहरी केंद्रों, रेगिस्तानों और बीहड़ क्षेत्रों में घुसपैठ कर उन्हें निशाना बनाते हैं। इसके अलावा वह सुरक्षा बलों और नागरिकों पर भी हमला करते हैं। इससे पहले बीते 19 अगस्त को इराकी सुरक्षा बलों ने दक्षिणी बगदाद से इस्लामिक स्टेट (आईएस) के एक भगोड़े आतंकवादी को गिरफ्तार किया था। बगदाद ऑपरेशन कमांड (बीओसी) ने यह जानकारी दी।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बीओसी के बयान के हवाले से बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर इराकी सेना ने आतंकवादी गतिविधियों पर सावधानीपूर्वक नजर रखी और उसे बगदाद से 40 किलोमीटर दक्षिण में लतीफिया के आसपास के क्षेत्र में घात लगाकर घेर लिया। इसके बाद आतंकवादी को पकड़ने में सफलता मिली।

नेशनल सेमेट्री का दौरा करने पर ट्रंप को हैरिस ने घेरा, बोलीं- सैनिकों की कब्र पर राजनीति के लिए जगह नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर आए दिन डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी के लिए राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के बीच जुबानी जंग जारी है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेशनल सेमेट्री जाने पर मौजूदा उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस ने हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सैनिकों की कब्र पर राजनीति के लिए जगह नहीं है। उनका नेशनल सेमेट्री जाना केवल राजनीतिक स्टंट है। दरअसल पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में अपने चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रीय कब्रिस्तान (नेशनल सेमेट्री) में 2021 में अफगानिस्तान में मारे गए अमेरिकी सैनिकों के सम्मान में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में भाग लिया था। ट्रंप की टीम ने सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो पोस्ट किया था। इसमें ट्रंप को सैनिकों की कब्र के पास से गुजरते हुए दिखाया गया था। इस दौरान उन्होंने बाइडन की आलोचना भी की। बताया जाता है कि ट्रंप की टीम के दो सदस्यों का कब्रिस्तान के एक अधिकारी के साथ विवाद भी हुआ। इसके बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद उम्मीदवार कमला हैरिस ने एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि कब्रिस्तान में राजनीति के लिए जगह नहीं है। मुझे भी उपराष्ट्रपति के तौर पर कई बार आर्लिंगटन राष्ट्रीय कब्रिस्तान का दौरा करने का मौका मिला। उन्होंने लिखा कि यह एक ऐसी जगह है जहां हम अमेरिकी नायकों का सम्मान करने आते हैं। डोनाल्ड ट्रंप की टीम यहां पर वीडियो फिल्मा रही थी। इसे लेकर उनकी टीम को कब्रिस्तान के कर्मचारियों से विवाद हुआ था। पूर्व राष्ट्रपति ने राजनीतिक स्टंट के लिए पवित्र भूमि का अनादर किया। उन्होंने ट्रंप के सैनिकों के

अपमान के इतिहास का जिक्र किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि ट्रंप पहले भी कई बार सैनिकों का अपमान कर चुके हैं। उन्होंने समाज और देश की सेवा करने वालों को गिरा और हारा हुआ कहकर कई बार उनका अपमान किया है। हैरिस ने लिखा कि यह एक ऐसा व्यक्ति है जिसे अपनी सेवा के अलावा कुछ और नजर नहीं आता। उन्होंने यह भी लिखा कि अमेरिका के लोग चाहते हैं कि दिग्गजों, सैन्य परिवारों, सेवा सदस्यों को सम्मानित किया जाए। उनको सर्वोच्च सम्मान के साथ कृतज्ञता भी अर्पित करनी चाहिए। मगर जो व्यक्ति ऐसा नहीं कर सकता उसे कभी भी अमेरिका के राष्ट्रपति की मुहर के बारे में सोचना ही नहीं चाहिए। हैरिस ने लिखा कि मैं सैनिकों की सेवा और बलिदान का सम्मान करती हूं। उन्होंने हमारे राष्ट्र और हमारी आजादी के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। मैं उनके लिए शोक मनाती हूं।

अजय की फिल्म दे दे प्यार दे 2 पर आया अपडेट, पंजाब में होगी की शूटिंग

अजय देवगन की आगामी फिल्म दे दे प्यार दे 2 को लेकर एक अहम जानकारी सामने आई है। फिल्म की अधिकांश शूटिंग एक शहर के ग्रामीण इलाकों में की जाएगी। वहीं इस फिल्म में शैतान के बाद अजय और आर माधवन की जोड़ी फिर से देखने के लिए प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन इन दिनों अपनी आगामी बहुर्चचित फिल्म दे दे प्यार दे 2 और सन ऑफ सरदार 2 को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। अजय देवगन की आगामी फिल्म दे दे प्यार दे 2 काफी समय से चर्चा का विषय बनी हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अब इस शहर के खूबसूरत और देहाती स्थानों पर फिल्माया जाएगा। अजय देवगन, लव रंजन और भूषण कुमार सीक्वल के लिए फिर से साथ आ रहे हैं। फिल्म वहीं से शुरू होगी जहां दे दे प्यार दे खत्म हुई थी। आइए आपको बताते हैं फिल्म दे दे प्यार दे 2 की ज्यादातर शूटिंग कौन से शहर में होगी।

पंजाब में होगी दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिलहाल दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग पंजाब के कुछ खूबसूरत और देहाती स्थानों पर की जाएगी। पंजाब में फिल्म की शूटिंग कुल 45-50 दिनों तक शेड्यूल की गई है। इस फिल्म में अजय देवगन, आर. माधवन, रकुल प्रीत सिंह के अलावा बाकी कलाकार और क्रू के सदस्य अगले महीने पंजाब जाएंगे, जबकि इस समय अजय यूके में सन ऑफ सरदार 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं।

अनिल कपूर का होगा फिल्म में अहम किरदार

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दे दे प्यार दे 2 में अनिल कपूर भी नजर आएंगे। इस फिल्म में अनिल एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बता दें साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म दे दे प्यार दे के सीक्वल में पहले से कहीं ज्यादा कॉमेडी देखने को मिलेगी। फिल्म में कई बेहतरीन सीन अजय देवगन और अनिल कपूर पर फिल्माए जाएंगे।

फिर साथ दिखेगी आर माधवन और अजय की जोड़ी

दे दे प्यार दे 2 की पटकथा लव रंजन और तरुण जैन ने लिखी है और इसका निर्देशन अनुशुल शर्मा करेंगे। यह बहुप्रतीक्षित है और 2025 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक होगी। बता दें 2019 में आई पहली फिल्म में बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल की थी। इस फिल्म में तब्बू और जिमी शेरगिल ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं। दे दे प्यार दे 2 में रकुल प्रीत सिंह का किरदार अजय देवगन के किरदार को अपने परिवार से मिलवाएगा, जिसमें आर माधवन उसके पिता की भूमिका निभाएंगे। यह फिल्म अजय देवगन और आर माधवन को उनकी पिछली फिल्म शैतान के बाद दूसरी फिल्म साथ में होगी।

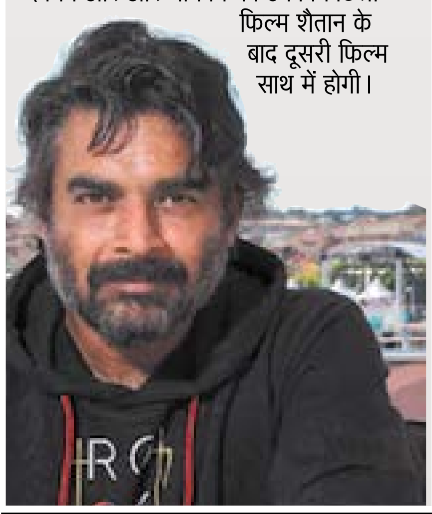

ओटीटी पर ऐसे रोल करना चाहती हूं, जिसमें हद ना पार करनी पड़े

साउथ फिल्मों से करियर का आगाज करने वाली जैस्मीन भसीन ने टीवी पर भी खूब शोहरत बटोरी। कई सीरियल और रियलिटी शोज का हिस्सा रहीं, मगर बीते कुछ समय से उन्होंने पंजाबी फिल्मों का रुख कर लिया है। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई पंजाबी फिल्म अरदास सरबत दे भल्ले दी से। उनसे एक खास बातचीत।

बीते कुछ समय से आप पंजाबी फिल्मों में नजर आ रही हैं, मगर टीवी पर भी आपने बहुत काम किया है, क्या टीवी पर आपकी वापसी होगी?
टेलीविजन ने मुझे वह पहचान दी है। मुझे जो प्यार, जो पहचान और जो फैन फॉलोइंग मिली है, वह सब टीवी की वजह से है। और मैं छोटे पर्दे को कभी नहीं भूल सकती। यह मेरा घर है और जब दिल करेगा, मैं जरूर वापस आऊंगी। लेकिन एक आर्टिस्ट के तौर पर मुझे हर प्लेटफॉर्म पर काम करने का मौका चाहिए। फिर चाहे वह फिल्म हो, वेब सीरीज हो या टेलीविजन।

ओटीटी पर काफी खुलापन है, तो क्या आप ओटीटी पर भी काम करने को उत्सुक हैं?
इसी खुलेपन की वजह से मैं अभी तक मैं ओटीटी पर नहीं आई हूं, क्योंकि मेरे कुछ रिजर्वेशन हैं, कुछ सीमाएं हैं। इसी चक्कर में ऐसी कई चीजें हुईं, जो अमल में नहीं आई, मगर जल्द ही मैं ओटीटी पर ऐसा कुछ जरूर करना चाहूंगी, जो दमदार हो, मगर उसके लिए मुझे अपनी हद पार न करनी पड़े। मैं चाहती हूं कि मैं ऐसी भूमिका करूं, जिसे मेरे मम्मी-पापा भी देखें, तो उन्हें शर्मिंदगी महसूस न हो। मुझे ओटीटी से परहेज नहीं, मगर किरदार को लेकर मैं उनका भी खयाल रखती हूं, जो मुझसे प्रेम करते हैं।

आपने अपने करियर की शुरुआत दक्षिण की फिल्मों से की थी, मगर फिर आप छोटे पर्दे पर आईं और अब तो पंजाबी सिनेमा से जुड़ गई हैं, तो ये शिफ्ट आपके लिए ज्यादा सहूलियतभरा था, क्योंकि यहां की भाषा से आप वाकिफ हैं?
सच कहूं, तो मैंने कभी सोचा तक नहीं था कि मैं कभी ग्लैमर जगत का हिस्सा बनूंगी। मैंने जयपुर से हॉस्पिटैलिटी में ग्रेजुएशन पूरी की और उसके बाद मैं दिल्ली में ताज पैलेस में काम करने लगी। उसी दौरान मुझे मॉडलिंग के प्रस्ताव मिले और फिर उसी के जरिए मुझे साउथ की एक फिल्म मिली। तब मुझे अहसास हुआ कि मुझे अभिनय के क्षेत्र में आना है। जब मुझे लगा कि अभिनय में अपना करियर बनाना है, तो उसके लिए मुझे मुंबई आना पड़ेगा। बस मेरा सफर शुरू हुआ और टीवी में एंट्री हुई। दक्षिण से पंजाबी फिल्मों का रुख करना मेरी कोई सोची -समझी रणनीति नहीं थी। हां, मातृभाषा पंजाबी होने के कारण मेरे लिए आसानी रही। जब आप उसी कल्चर से ताल्लुक रखते हैं, तो माहौल आपके लिए परिचित होता है। मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे अच्छे लोगों का साथ मिला।

बॉलीवुड में हीरोइनें हमेशा पे पैरिटी को लेकर शिकायत करती हैं। पंजाबी इंडस्ट्री की हीरोइन होने के नाते वहां आपका अनुभव कैसा रहा है?
मेरा अनुभव तो यहां अच्छा रहा है। सच कहूं, तो पे पैरिटी के नजरिए से मैंने सोचा भी नहीं है, क्योंकि मुझे लगता है कि एक कलाकार होने के नाते मैं उस स्तर पर पहुंची नहीं हूं। मुझे वो वेलिडेशन नहीं मिला है अब तक। मुझे लगता है एक आर्टिस्ट को उसके काम से उसकी इज्जत मिलती है। उसे अपना सफर खुद तय करना होता है, आपको साबित करना पड़ता है। आज पंजाबी हो या हिंदी इंडस्ट्री, महिला प्रधान फिल्में खूब बन रही हैं। इंडस्ट्री में नायिकाओं को भी उनके हिसाब का मेहनताना मिल रहा है।

अली गोनी आपको एक पार्टनर के रूप में कितना कॉम्प्लिमेंट करते हैं? हाल ही में आपकी आंखों की तकलीफ के समय अली ने आपको पूरा साथ दिया?
चूंकि हम दोनों एक ही पेशे से हैं, तो वे मेरे कमिटमेंट समझते हैं। वे पार्टनर के रूप में बहुत ही सहयोगी हैं। वे मेरा बहुत खयाल रखते हैं।

दर्शक ही आपकी किस्मत का फैसला करते हैं

टीवी शो कितनी मोहब्बत है और कुछ तो लोग कहेंगे से लेकर वेब सीरीज तांडव, बंबई मेरी जान और ग्यारह ग्यारह तक, कृतिका कामरा ने हमेशा अपने शानदार अभिनय से दर्शकों और आलोचकों को प्रभावित किया है। इसी बीच अभिनेत्री ने मनोरंजन इंडस्ट्री के चर्चित विषय नेपोटिज्म पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। कृतिका ने हालिया बयान में साझा किया कि वह इस बहस से कितनी सहमत हैं। आइए अभिनेत्री के विचार पर गौर फरमा लेते हैं- कृतिका कामरा ने हाल ही में कहा कि वह हिंदी इंडस्ट्री में नेपोटिज्म को लेकर चल रही बहस से सहमत नहीं हैं और अपनी सफलता का श्रेय अपनी मेहनत, लगन और कला में अपने अटूट विश्वास को देती हैं। नेपोटिज्म की बहस पर अपने विचार साझा करते हुए, कृतिका ने एक बयान में कहा, मैंने हमेशा अपने काम से जवाब देने में विश्वास किया है। मैं किसी भी कनेक्शन या पारिवारिक संबंधों के कारण यहां नहीं पहुंची हूं। कृतिका कामरा ने अपनी बात में जोड़ा, मुझे जो भी अवसर मिला है, वह सालों की कड़ी मेहनत और दृढ़ता का परिणाम रहा है। मुझे नहीं लगता कि नेपोटिज्म की बहस में फंसना फायदेमंद है, क्योंकि आखिरकार, दर्शक ही आपकी किस्मत का फैसला करते हैं। मैं उन शानदार भूमिकाओं के लिए आभारी हूं जो मुझे मिली हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि आप इस इंडस्ट्री में एक बाहरी व्यक्ति होकर भी काम के अवसर पा सकते हैं।

कृतिका कामरा को हाल ही में जी5 की वेब सीरीज ग्यारह ग्यारह में देखा गया। उन्होंने फैंटेसी क्राइम थ्रिलर शो में पुलिस वामिका रावत की भूमिका निभाई, जो कोरियाई सीरीज सिग्नल का आधिकारिक हिंदी रीमेक था। करण जौहर और गुनीत मोंगा द्वारा अपने बैनर धर्माटिक एंटरटेनमेंट और सिख्या एंटरटेनमेंट के तहत निर्मित ग्यारह ग्यारह में राघव जुयाल और धैर्य करवा भी पुलिस की भूमिका में हैं। सीरीज में तीनों 1991 से 2016 तक अलग-अलग समयसीमा में हत्या के मामलों को सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं। आने वाले दिनों में भी कृतिका कामरा काफी ज्यादा बिजी रहने वाली हैं। अभिनेत्री की पाइपलाइन में कुछ बेहतरीन प्रोजेक्ट्स हैं। कृतिका कामरा जल्द ही विजय वर्मा के साथ प्राइम वीडियो के शो मटका किंग में नजर आएंगी। इसके अलावा उन्हें प्रतीक गांधी के साथ नेटफ्लिक्स की जासूसी थ्रिलर फॉर योर आइज ओनली में भी देखा जाएगा।

शोभिता धुलिपाला से धूमधाम से शादी नहीं करेंगे नागा चैतन्य!

साउथ एक्टर नागा चैतन्य अपनी जिंदगी की दूसरी पारी शुरू करने जा रहे हैं। सामंथा रुथ प्रभु को तलाक देने के बाद अब वो शोभिता धुलिपाला को अपना हमसफर बनाने जा रहे हैं। बीते दिनों उनकी सगाई हुई और अब जोरशोर से शादी की तैयारी चल रही है। अभी वेडिंग डेट और वेन्यु को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन अफवाह है कि दोनों मार्च 2025 में डेस्टिनेशन वेडिंग करेंगे। अब नागा ने इस पर अपनी चुप्पी तोड़ी है और कुछ खुलासे किए हैं। नागा चैतन्य ने ये भी खुलासा किया कि वो शोभिता से बिग फैट वेडिंग (ग्रैंड वेडिंग) नहीं करना चाहते हैं। उनका मानना है कि शादी उन लोगों के बारे में है, जो उनके लिए बहुत मायने रखते हैं। उन्होंने कहा, शादी उन लोगों के बारे में है जो मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। यह एक बहुत बड़ी शादी नहीं है, लेकिन लोगों को संस्कृतियों और परंपराओं को ध्यान में रखना चाहिए, इसलिए मैं चाहता हूं कि यह (शादी) ऐसी ही हो। शोभिता से सगाई से पहले नागा चैतन्य ने सामंथा रुथ प्रभु से शादी की थी।कुछ समय तक डेट करने के बाद 2017 में शादी की। दोनों 2021 में अलग हो गए।

रजनीकांत की फिल्म कुली में प्रीति बन छाएंगी श्रुति हासन

सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म कुली अपने एलान के बाद से ही सुर्खियों में है। फिल्म पर आए दिन कोई ना कोई अपडेट सामने आ रहा है। निर्माताओं ने अब एक-एक कर इसकी स्टारकास्ट से पर्दा उठाना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में लोकेश कनगराज ने फिल्म की पहली महिला लीड का खुलासा किया है। आगामी गैंगस्टर एक्शन ड्रामा के निर्माताओं ने अपने सोशल मीडिया पेज पर अभिनेत्री श्रुति हासन के किरदार पोस्टर को साझा किया, जिसे देखकर प्रशंसक गदगद हो उठे हैं। निर्माताओं की तरफ से जारी किए गए मोनोक्रोमैटिक पोस्टर में अभिनेत्री को रजनीकांत अभिनीत फिल्म में प्रीति के रूप में पेश किया गया है। नए किरदार पोस्टर में श्रुति हासन को एक कुदाल पकड़े हुए दिखाया गया है। पोस्टर में अभिनेत्री का इंटेंस लुक देखते ही बन रहा है। दिलचस्प बात यह है कि उनकी लाल बिंदी भी हाईलाइट की गई है।

नए रोमांचक अपडेट को साझा करते हुए निर्माताओं ने लिखा, कुली की दुनिया से श्रुति हासन को प्रीति के रूप में पेश कर रहे हैं। इससे पहले, निर्माताओं ने मलयालम अभिनेता सौबिन शाहिर और तेलुगु स्टार नागार्जुन के पोस्टर से पर्दा उठाया था। हालांकि, निर्माताओं ने श्रुति हासन के किरदार के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी है, लेकिन यह व्यापक रूप से अनुमान लगाया गया है कि वह फिल्म में रजनीकांत की बेटी की भूमिका निभाएंगी। हालांकि, इस पर अभी भी आधिकारिक अपडेट का इंतजार है।

पत्नी पत्रलेखा के साथ फिर काम करना चाहते हैं राजकुमार राव

एक्टर राजकुमार अपनी पत्नी और एक्ट्रेस पत्रलेखा के साथ फिर से काम करने की इच्छा जताई है। एक्टर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह जल्द ही होगा। राजकुमार ने एक सवाल का जवाब देते हुए आईएएनएस को बताया कि उन्हें उम्मीद है कि यह जल्द ही होगा। मैं उनके साथ काम करना चाहता हूं। मुझे लगता है वह बहुत प्रतिभाशाली हैं उनमें टैलेंट भरा हुआ है। एक्टर ने अपनी पत्नी की प्रशंसा करते हुए कहा, जब बात उनके काम की आती है तो वह बहुत जुनूनी हो जाती हैं। वह बहुत भावुक एक्ट्रेस हैं। वह जो करती है, उसे पसंद भी करती हैं। अब उनकी एक सीरीज (आई 814- द कंधार हाईजैक) आने वाली है। इसलिए, अभी वह उसके प्रमोशन में बिजी हैं। लेकिन, मैं बहुत जल्द ही उनके साथ काम करना पसंद करूंगा।

राजकुमार और पत्रलेखा साल 2010 से एक साथ हैं। वह 2014 में आई फिल्म सिटीलाइट्स में नजर आए थे, जो ब्रिटिश फिल्म मेट्रो मनीला की रीमेक थी। इस फिल्म में राजस्थान के एक किसान की कहानी बताई गई है, जो रोजगार की तलाश में मुंबई आता है। राजकुमार की हाल ही में आई फिल्म स्त्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नए रिकॉर्ड बनाए हैं। जो अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों की लिस्ट में छठे स्थान पर आ गई है। इस फिल्म को अमर कौशिक ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में राजकुमार के अलावा श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना भी हैं। राजकुमार ने फिल्म की सफलता पर बात करते हुए कहा, उन्हें अच्छा लगता है कि उनकी फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर इतना अच्छा प्रदर्शन कर रही है। लेकिन, मेरे लिए केवल यही बात मायने नहीं रखती। मुझे लगता है कि मेरे लिए जो मायने रखता है, वह है एक अच्छी फिल्म का हिस्सा बनना। जरूरी नहीं कि हर अच्छी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई करें। उन्होंने कहा कि उनके लिए अच्छी कहानियों का हिस्सा बनना और अच्छे प्रोड्यूसर के साथ काम करना बहुत अहमियत रखता है। बोले, आप जानते हैं कि एक कलाकार के रूप में पहचान बनाना और फिर बॉक्स ऑफिस पर अच्छा करना एक अलग भाव पैदा करता है, एक कलाकार के तौर पर निश्चित रूप से सम्मानित महसूस करता हूं।

फुहारों के बीच खिली-खिली दिखें आप

चुभती-झुलसा देने वाली गर्मी के दिन खत्म। अब आया मस्त मानसून का मौसम। जितनी बेसब्री से हमें फुहारों के आने का इंतजार रहता है, उतनी ही दिक्कतें भी सामने आती हैं। कभी चेहरे का मेकअप पैची होने लगता है तो कभी बाल चिपचिपे हो जाते हैं। कभी कपड़े बदन से चिपक कर एक समस्या बन जाते हैं। समस्या होती है तो उसका समाधान भी होता है। बारिश के मौसम में आने वाली समस्याओं का निदान आइए जानते हैं

मानसून में महिलाओं के लिए घर से बाहर निकलना काफी कठिन हो जाता है। बारिश में जाने के लिए जी तो मचलता है, लेकिन कभी मेकअप बिगड़ जाने का डर, कभी बाल बिगड़ जाने का डर और कभी त्वचा की सुरक्षा उन्हें बाहर निकलने से रोकती है, पर बारिश में घर भी तो नहीं बैठा जा सकता। थोड़ी सी सावधानियों से आप बारिश का मजा भी ले सकती हैं और सजने-संवरने के अपने शौक को भी पूरा कर सकती हैं।

- इस मौसम में सिबेशियस व स्वेट ग्लैंड ज्यादा एक्टिव हो जाते हैं, जिससे त्वचा चिपचिपी व ज्यादा पसीने व डैंड्रफ से युक्त हो जाती है। इसलिए प्रतिदिन माइल्ड शैंपू से बाल धोएं। हर धुलाई के बाद अच्छी क्वालिटी के कंडीशनर का प्रयोग करें। बाल झड़ेंगे नहीं। बाल उलझे, रूखे व बेजान नहीं होंगे।
- इस मौसम में बारिश में भीगे गीले बालों में अक्सर जुएं पड़ जाती हैं। बारिश में भीगे गीले बालों को भी शैंपू अवश्य करें। सिर में खुजलाहट होने पर नाखून से कुरेदे नहीं। त्वचा पर इन्फेक्शन होने का खतरा रहता है। कई बार दो-तीन दिन बाल न धोने पर बारिश में भीगे होने के कारण सिर में छोटे-छोटे दाने भी हो जाते हैं।
- यदि किसी वजह से सिर न धो रहे हों तो सूखे सिर में कोई भी टेलकम पाउडर डाल कर कंघी कर लें। डस्ट निकल जाएगी, पसीना नहीं आएगा। बारिश के मौसम में 1-2 घंटों के लिए सिर पर दही लगाएं। इसके अलावा मूंग की दाल को दरदरा पीस कर सिर में लगाएं, अच्छी कंडीशनिंग हो जाएगी। बालों में अच्छी शाइन आ जाएगी।
- एलोवेरा का जूस निकाल कर इसका पल्प भी कुछ देर सिर में एक-डेढ़ घंटा लगा कर फिर शैंपू कर लें। जर्म्स, दाने व डैंड्रफ खत्म हो जाएगी। यदि इन्फेक्शन ज्यादा हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। बाल धोने के बाद तौलिए से अच्छी तरह सुखा कर चौड़े दांत की कंघी से बाल सुलझाएं। बारिश में भीगने के बाद बाल हमेशा खुले रखें।

- इस मौसम में यदि सिर में तेल लगाएं तो दो-तीन घंटे बाद ही सिर धो लें। ज्यादा देर तेल लगा रहेगा तो वह फेस पर आ जाएगा। बारिश के मौसम में हेयर जेल, मूस, हेयर स्प्रे का इस्तेमाल न करें। उमस के कारण सिर में पसीना अधिक आता है, इसलिए बालों में स्टाइल बनाने से पहले ह्यूमिडिटी प्रोटेक्टिव जेल लगाएं।
- इस मौसम में स्ट्रेट बालों को कर्ल करने व कर्ल बालों को स्ट्रेट करने से बचें। कर्ल बालों में स्टाइलिंग क्रीम या जेल लगा कर सेट कर लें व स्ट्रेट बालों की ढीली पोनीटेल बना लें। ध्यान रखें कि क्रीम व जेल एल्कोहल बेस्ड हो, जो बालों को चिपचिपा होने से बचाए।
- इस मौसम में वातावरण में ही नमी होने के कारण ब्लो ड्राई, रोलर सैटिंग आदि टिक नहीं पाते, इसलिए इनसे बचना चाहिए। ऐसे में लोअर बन व पोनीटेल अच्छी रहेंगी। गर्दन तक का कट इस मौसम में हमेशा चींटियां काटने का एहसास कराता है, ऐसा कट न रखें। इस मौसम के लिए विशेषतौर से मेंटेनेंस फ्री कट होना चाहिए। फ्रंट में फ्रींजिस दे सकते हैं।

मेकअप टिप्स

- सावन की बरसती बूंदें मन को अवश्य खुशी देती हैं, पर ये बूंदें ही चिपचिपे, उलझे बाल, तैलीय त्वचा व तन के श्रृंगार को तहस-नहस कर देती हैं। घर से बाहर जाने से बीस-पच्चीस मिनट पहले सनस्क्रीन लोशन लगा लें।
- इस मौसम में जरूरत से ज्यादा मेकअप बेस लगाने से बचें। अगर लगाएं तो सिलिकोन बेस या वॉटर प्रूफ फाउंडेशन की पतली परत लगाएं। पानी की बूंदें पड़ते ही पानी व पसीना बहकर निकल जाएगा। मेकअप वैसे का वैसा रहेगा। पाउडर बेस पर बूंदें पड़ते ही मेकअप पैची हो जाएगा।
- बारिश के मौसम में मेकअप हल्का ही करें। मेकअप बेस अपनी त्वचा से एक टोन गहरा लें। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि हेयर लाइन के पास पसीना ज्यादा आता है, इसलिए इस हिस्से पर फाउंडेशन कम से कम लगाएं।
- बारिश में आंखों का मेकअप ज्यादा खराब हो जाता है। इस मौसम के लिए काजल, आई लाइनर, मस्कारा आदि वॉटर प्रूफ ही लें। इस मौसम में विशेषतौर से ट्रांसपेरेंट मस्कारा व कलर्ड काजल पेंसिल का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- आई शैडो व ब्लश ऑन लगाना हो तो कभी भी पाउडर बेस न लगा कर मौसम को ध्यान में रखकर क्रीम बेस्ड ही लगाएं। इसके लिए लिपस्टिक को भी इस्तेमाल में लाया जा सकता है। पर ध्यान दें त्वचा पर अच्छी तरह फैल जाए।
- बारिश के मौसम में लिपग्लॉस का प्रयोग बिल्कुल नहीं करना चाहिए, यह हर फुहार की बूंद के साथ होठों के इर्द-गिर्द फैलता है। लिपस्टिक भी गॉढ़ी न लगाकर हल्की ही लगाएं। पूरा मेकअप हो जाने के बाद मेकअप फिक्सिंग स्प्रे लगा लें। इससे मेकअप सेट हो जाता है। बिंदी स्टिक ऑन ही इस्तेमाल करें।

- इस मौसम में चिपचिपी त्वचा से छुटकारा पाने के लिए चंदन पाउडर में गुलाब जल मिला कर चेहरे, गर्दन व बांहों पर लगाएं। थोड़े से जीरा पाउडर में नारियल का तेल मिला कर इसे गर्दन व आसपास के हिस्सों पर लगाएं।
- चिकनी त्वचा वाले लोग शहद व नींबू का रस बराबर भाग में मिला कर लगा सकते हैं। यदि आप चाहें तो इसमें अंडे की सफेदी भी मिला लें। एक घंटा त्वचा पर लगा रहने दें फिर ठंडे पानी से धो दें। इसके अलावा कच्चे दूध में बेसन मिला कर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।
- शुष्क त्वचा वाले लोग एक बड़ा चम्मच दूध की क्रीम में गुलाब जामुन मिला कर लगाएं व पंद्रह मिनट बाद त्वचा धो लें। त्वचा को साफ करने के लिए पपीते के छोटे टुकड़े करें, इनसे त्वचा को साफ करें। पपीते का रस व गूदा पांच-सात मिनट तक त्वचा पर लगा रहने दें, फिर त्वचा धो लें।

स्किन केयर टिप्स

- इस मौसम में रात को त्वचा की टोनिंग करना चाहिए। इसके लिए एक छोटा चम्मच दूध में पांच बूंदें चमेली के तेल की मिलाएं। इस तैयार मिश्रण को चेहरे व गर्दन पर लगाएं। बारिश के मौसम में भी सनस्क्रीन लोशन लगाना बंद नहीं करना चाहिए।
- इन दिनों फंगस इन्फेक्शन सबसे ज्यादा हो जाता है। गीले कपड़े व गीले जूते देर तक न पहने रहें। एंटी फंगस साबुन से त्वचा को साफ करें। शरीर के जोड़ों, पांवों की उंगलियों आदि में साधारण या एंटी फंगस पाउडर का इस्तेमाल करते रहें।
- बारिश के मौसम में बेजान हो जाने वाली त्वचा में नई जान डालने के लिए शहद व दही बराबर मात्र में मिला कर अच्छी तरह से चेहरे व गर्दन पर लगाएं। पंद्रह मिनट बाद त्वचा धो लें।

विंड चाइम से बढ़े घर की रौनक

विंड चाइम, इसे पवन घंटियां भी कहा जाता है। इसके प्रयोग से सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है। विंड चाइम धातु, लकड़ी, बांस या सिरेमिक पाइप से बनी होती है। ये पाइप अंदर से बांसुरी की तरह खाली होते हैं। इन पाइपों को रेशमी धागों से बांधा जाता है। लकड़ी और बांस से बनी विंड चाइम पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व दिशा में लगानी चाहिए। इससे घर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ने के साथ-साथ नाम व यश भी बढ़ता है। छह रॉड वाली गोल्डन व येलो कलर की विंड चाइम उत्तर-पश्चिम दिशा में लगाने से यश एवं समृद्धि में वृद्धि होती है। नौकरी एवं व्यवसाय में तरक्की के अवसर मिलते हैं।

सात रॉड वाली सिल्वर व सफेद रंग वाली विंड चाइम घर में पश्चिम दिशा में लगाने से परिवार के सदस्यों तथा ऑफिस में लगाने से सहकर्मियों और नौकरों से संबंध अच्छे बने रहते हैं।

जिन लोगों की जन्मतिथि में धातु तत्व की कमी हो, उन्हें मेटल की विंड चाइम और पृथ्वी तत्व की कमी होने पर सिरेमिक विंड चाइम का प्रयोग करना चाहिए। एल्यूमिनियम, लोहे व पीतल के पाइप वाली विंड चाइम का प्रयोग हानिकारक होता है। इन पर पाउडर कोटिंग की जाती है, लेकिन इनकी आवाज कर्कश होती है।

क्रिस्टल बॉल

यह घर में नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव को समाप्त कर सकारात्मक ऊर्जा की वृद्धि करती है। घर में किसी भी प्रकार का वास्तु दोष होने पर पूर्व दिशा में 9 क्रिस्टल बॉल्स का गुच्छा लगाने से काफी हद तक वास्तु दोष से मुक्ति पाई जा सकती है। घर की पश्चिम दिशा में क्रिस्टल बॉल इस प्रकार लगाएं कि सूर्य की किरणें उस पर पड़ें। इससे घर के बुजुर्गों और महिलाओं में दिनभर ऊर्जा बनी रहती है। घर के निराशाजनक वातावरण को दूर कर सुख-शांति और धन की वृद्धि करने में भी यह सहायक है। घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में डायमंड कट वाली क्रिस्टल बॉल, जहां पिता-पुत्र संबंधों में मधुरता लाती है, वहीं जीवन में प्रेम का संचार भी करती है।

सिक्के और घंटियां

फेंग्शुई सिक्के ऊपर से गोल और अंदर से वर्गाकार छेद लिए होते हैं। घर में सौभाग्य और समृद्धि लाने के लिए इन सिक्कों का प्रयोग किया जाता है। इसके लिए तीन फेंग्शुई सिक्कों को लाल रंग के रिबन या रेशमी धागे से एक साथ बांधकर पर्स या दुकान के गल्ले में रखा जाता है। इसके अलावा इन सिक्कों को केवल मुख्य द्वार पर अंदर की तरफ और तिजोरी के दरवाजे पर भी बांधा जा सकता है। इन सिक्कों के साथ-साथ छोटी घंटियों को भी बांधा जा सकता है। लाल रिबन से बंधी ये घंटियां सौभाग्य का प्रतीक होती हैं। इन घंटियों से किसी प्रकार की ध्वनि नहीं होती। पुरानी हो जाने पर इन घंटियों को बदल देना चाहिए।

नरम बूंदों के साथ गरम पकौड़ी

मौसम बारिश का हो और पकौड़ी का स्वाद न लिया जाए, यह कैसे हो सकता है। इस मौसम में सबका मन गरमा-गरम पकौड़ी खाने को करता है। तो आइए जानते हैं कैसे बनाएं पकौड़ी।

कच्चे केले के पकौड़े

सामग्री

6 कच्चे केले, 200 ग्राम बेसन, आधा चम्मच गरम मसाला, नमक स्वादानुसार, एक चौथाई चम्मच हल्दी, एक कद्दूकस किया प्याज, 3-4 बारीक कटी हरी मिर्च, तलने के तेल

बनाने की विधि

केलों को उबालकर छीलें व हाथ से अच्छी तरह मेश कर लें। बेसन को सूखा ही भून लें। भुने बेसन में मेश किया केला, कटी सामग्री व मसाले खूब अच्छी तरह मिक्स कर लें। आवश्यकता हो तो इसमें थोड़ा-सा दूध मिला लें। अब एक कड़ाई में तेल गर्म कर लें। कम आंच पर उलट-पलट कर गुलाबी होने तक तलें। केले के इन पकौड़ों को गरमा-गरम चाय के साथ पेश करिए या किसी खट्ठी-मीठी चटनी के साथ इसका स्वाद दुगुना हो जाएगा।

भुट्टा-पालक पकौड़ी

सामग्री

5 भुट्टे नरम दाने वाले,100 ग्राम पालक कटा हुआ, 4-5 हरी मिर्च, एक टुकड़ा अदरक, 4-5 लहसुन की कली , आधा चम्मच जीरा, हरा धनिया बारीक कटा हुआ, एक बड़ा चम्मच बेसन , नमक स्वादानुसार , आधा चम्मच लाल मिर्च , एवं तलने के लिए तेल

बनाने की विधि

सबसे पहले भुट्टों को साफ करके कद्दूकस करें। भुट्टे, पालक, हरी मिर्च, अदरक एवं लहसुन को थोड़ा मोटा ही पींस लें। अब सभी मसालों को बेसन में मिलाकर अच्छी तरह से खोल लें। पीसे हुए भुट्टे व पालक को बेसन में लपेटकर तेल में तलें। तलने के बाद इसे चटनी के साथ सर्व करें।

मशरूम के पकौड़े

सामग्री

200 ग्राम मशरूम, 200 ग्राम बेसन, बारीक कटा हुआ हरा धनिया, नमक स्वादानुसार कटा हुआ मिर्च- तीन, तलने के तेल

बनाने की विधि

मशरूम को साफ करके धो लें। इनको कुछ देर स्टीम देकर मुलायम कर लें। बेसन में नमक-मिर्च व पानी डालकर पकौड़ों के हिसाब से घोल तैयार कर लें। इसी में हरा धनिया भी डाल दें। मशरूम को आधे-आधे काटकर बेसन लपेटकर गर्म तेल में तलें। आपके लिए गर्मागर्म मशरूम के पकौड़े तैयार हो गए।

पालक रोल पकौड़ी

सामग्री

पालक के 15 पत्ते , 200 ग्राम बेसन, 2 चम्मच चावल का आटा, 2 आलू उबले व मैश किए हुए, एक चम्मच धनिया, चौथाई चम्मच हल्दी, दो-तीन हरी मिर्च बारीक कटी, एक चम्मच लाल मिर्च, एक चम्मच अदरक बारीक कटा हुआ , हरा धनिया कटा हुआ, तलने के लिए तेल, नमक स्वादानुसार,

बनाने की विधि

मैश हुए आलू में सभी मसाले मिलाएं। हर पत्ते को अच्छी तरह पोंछकर उन पर थोड़ा सा आलू का मिक्सचर रखें और रोल कर लें। बेसन का गाढ़ा घोल बनाकर उसमें चावल का आटा मिला दें। हर रोल को उसमें डुबोकर फ्राई करें।

क्रिस्पी बैंगन पकौड़े

सामग्री

एक भुर्ते वाला बड़ा बैंगन, 4-5 खड़ी लाल मिर्च
2-3 कली लहसुन, 1 कप बेसन
आधा कप चावल का आटा, नमक स्वादानुसार
1 चम्मच नींबू का रस, एक चौथाई चम्मच हल्दीएक
चौथाई चम्मच अजवाइन, 1 चुटकी हींग
तलने के लिए तेल।

बनाने की विधि

बैंगन को धोकर पतली गोल-गोल स्लाइस काट लें। लाल मिर्च, लहसुन, नमक, नींबू रस एवं थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। बेसन में चावल का आटा, हींग, नमक, अजवाइन एवं थोड़ा पानी मिलाकर पकौड़े का घोल तैयार करें। एक कड़ाही में तेल गर्म करें। बैंगन की एक स्लाइस लेकर इस पर लाल मिर्च का पेस्ट चुपड़े। ऊपर से दूसरी स्लाइस रखें। इसे बेसन के घोल में डुबोकर गर्म तेल में सुनहरा भूरा होने तक तलें। गर्मागर्म क्रिस्पी बैंगन पकौड़ों को सॉस और हरी चटनी के साथ परोसें। इसका स्वाद लाजवाब लगेगा।

गुजरात के 4 शहरों में 30 गगनचुंबी इमारतों को मंजूरी, राज्य को मिला 1000 करोड़ का राजस्व

■ अहमदाबाद में 25 गगनचुंबी इमारतें बनेंगी; सूरत और गांधीनगर में 2-2, वडोदरा में 1

■ इनमें से 20 आवासीय, 7 कॉमर्शियल, 2 मिक्स-यूज्ड और 1 सार्वजनिक भवन का होगा निर्माण

गांधीनगर (ईएमएस)। आधुनिक विकास के युग में गगनचुंबी इमारतें अपनी विशेष पहचान रखती हैं, इसलिए इसे सेलिब्रेट करने के लिए हर साल 3 सितंबर को इंटरनेशनल स्कायस्क्रैपर डे मनाया जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात गगनचुंबी इमारतों के निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि गुजरात अपनी विशेष स्कायस्क्रैपर पॉलिसी के बदौलत गुजरात ने पिछले कुछ सालों में स्कायस्क्रैपर प्रोजेक्ट्स से 1000 करोड़ रुपए का राजस्व हासिल करने में भी सफलता पाई है। आपको बता दें कि वर्ष 2017 तक, गुजरात में इमारतों के लिए अधिकतम 70 मीटर की ऊँचाई अनुमेय थी। शहरी विस्तार की आवश्यकता और वर्टिकल ग्रोथ की क्षमता को पहचानते हुए, राज्य सरकार ने नियमों को संशोधित कर इस दिशा में प्रगतिशील कदम उठाए हैं। राज्य सरकार की स्कायस्क्रैपर पॉलिसी के लागू होने के बाद राज्य में 100 मीटर से अधिक ऊँची प्रतिष्ठित संरचनाओं के निर्माण को प्रोत्साहन मिला है। 27 मई 2021 को लागू स्कायस्क्रैपर पॉलिसी ने अहमदाबाद, सूरत, राजकोट, वडोदरा और गांधीनगर जैसे प्रमुख शहरों में गगनचुंबी इमारतों के विकास का मार्ग प्रशस्त किया है।

राज्य सरकार की यह नीति 5.4 के अधिकतम फ्लोर स्पेस इंडेक्स (FSI) के साथ ऊंची इमारतों के निर्माण की मंजूरी देती है। बेस FSI के अलावा प्रीमियम ऋक रेडी रेकनर दर के 50% पर उपलब्ध है, जो डेवलपर्स को वर्टिकल ग्रोथ में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करता है। इन नियमों के लागू होने के बाद से अहमदाबाद, सूरत, गांधीनगर और वडोदरा में 30 गगनचुंबी इमारतों को मंजूरी दी गई है। गुजरात की फाइनेंशियल टेक सिटी यानी गिफ्ट सिटी ने पहले ही दो गगनचुंबी इमारतों का निर्माण पूरा कर लिया है, और अन्य 10 निर्माणाधीन हैं। इन प्रोजेक्ट्स से गुजरात ने वर्टिकल डेवलपमेंट में महत्वपूर्ण राजस्व सृजन में सफलता हासिल की है। गुजरात ने स्थानीय निकायों के प्रीमियम FSI के माध्यम से लगभग 1000 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है। राज्य के शहरी परिदृश्य को सुंदर बनाने वाली ऐसी कई परियोजनाएं इस वर्ष दिवाली से पहले पूरी होने की उम्मीद है। ये इमारतें न केवल ऊंचाई में नए रिकॉर्ड बना रही हैं, बल्कि इनमें मिवन फॉर्मवर्क, शियर वॉल और छत के स्तर पर स्काईवॉक जैसी उन्नत निर्माण तकनीकें भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए प्रावधान यह सुनिश्चित करता है कि ये विकास भविष्य के लिए तैयार हैं।

शहरी विकास और शहरी आवास विभाग के प्रधान सचिव अश्विनी कुमार की अध्यक्षता में राज्य स्तर पर एक स्पेशल टेक्निकल कमेटी (STC) की स्थापना की गई है, जो ऊंची इमारत परियोजनाओं की व्यवहार्यता का आकलन करेगी। इस समिति में सॉयल मिकेनिकल, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग, और फायर सर्विस के विशेषज्ञ शामिल हैं, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि इन गगनचुंबी इमारतों में सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बने। इनमें से कई गगनचुंबी इमारतों को हरित इमारतों के रूप में भी दर्जा दिया गया है, जो शहरी विकास में सततता में योगदान देती हैं और नए निर्माण के अंतर्गत होने वाले पर्यावरणीय दुष्प्रभावों को कम करती हैं।

गुजरात के स्कायलाइन में हो रहे ये परिवर्तन अहमदाबाद के सरखेज-गांधीनगर राजमार्ग जैसी प्रमुख सड़कों पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जहाँ कॉमर्शियल स्पेस डेवलपमेंट में उछाल देखा जा रहा है। अब उच्च ऋक उपलब्ध होने के साथ, यह क्षेत्र गगनचुंबी इमारतों का केंद्र बनने के लिए तैयार है, जो कुशल भूमि उपयोग और शहरी विकास सततता के लिए राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आज जब दुनिया इंटरनेशनल स्कायस्क्रैपर डे मना रही है तो ऐसे में गुजरात भी इस विशेष दिवस पर अपनी विशेष पहचान लिए खड़ा है। राज्य में हो रहे नए वर्टिकल डेवलपमेंट्स न केवल आवासीय और कॉमर्शियल स्पेस की बढ़ती मांग को पूरा कर रहे हैं, बल्कि ये वास्तुकला विरासत में एक नया अध्याय लिखने के लिए मंच तैयार कर रहे हैं।

दमण मुस्लिम एसोसिएशन लेस्टर यूके द्वारा दमण-दीव सांसद उमेश पटेल का किया गया सम्मान

■ सांसद उमेश पटेल ने अपनी जीत का श्रेय दमण जिला मुस्लिम समाज प्रमुख खुर्शीद मांजरा एवं मुस्लिम समाज को दिया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, लेस्टर यूके, 02 सितंबर। दमण मुस्लिम एसोसिएशन लेस्टर यूके द्वारा दमण-दीव सांसद उमेश पटेल का लेस्टर शहर में भव्य सम्मान किया गया। इस अवसर पर सांसद उमेश पटेल ने अपनी जीत में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए दमण मुस्लिम एसोसिएशन प्रेसिडेंट खुर्शीद मांजरा एवं मुस्लिम समाज की खुलकर तारीफ की। उन्होंने अपने आप और खुर्शीद मांजरा को एक सिक्के के दो पहलु बताया। इस अवसर पर दमण मूल के लेस्टर में रहने वाले मुस्लिम समाज के कई अग्रणी एवं युवा उपस्थित रहे। सभी ने उमेश पटेल को सांसद बनने पर हार्दिक अभिनंदन एवं बधाईयां दी।

दीव एजुकेशन हब में यूटी स्तरीय लाइब्रेरी प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 02 सितंबर। समग्र शिक्षा, शिक्षा विभाग दादरा नगर हवेली और दमण और दीव द्वारा यूटी स्तरीय लाइब्रेरी ट्रेनिंग का आयोजन केवडी स्थित दीव एजुकेशन हब में किया गया और आज इसका समापन समारोह आयोजित किया गया। इस ट्रेनिंग में कुल 35 शिक्षकों को 29 अगस्त से 2 सितंबर तक पांच दिनों तक प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण पहले जून में सिलवासा में आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण पराग टाटा ट्रस्ट के सहयोग से प्रदान किया गया, जिसमें अनिल सिंह, रोहन, विवेक, द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। समापन समारोह कार्यक्रम की अध्यक्ष दीव कलेक्टर भानु प्रभा विशेष रूप से उपस्थित रहीं। समापन कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर भानु प्रभा का स्वागत तुलसी का पौधा देकर किया गया। कार्यक्रम के दौरान भानु प्रभा ने अपने अभिभाषण में कहा कि आज के आधुनिक युग में बच्चों को जागरूक करना बहुत जरूरी है। किताबों की ओर यह कठिन है, लेकिन उन्हें किताब की ओर ले जाना भी बहुत जरूरी है, किताबों में रंग-बिरंगी आकर्षक तस्वीरें होनी चाहिए, ताकि बच्चों को किताब आकर्षक लगे और पढ़ने को मजेदार बनाकर बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित करें। समापन समारोह में प्रशिक्षुओं ने पांच दिनों के दौरान अपने अनुभव भी लोगों के सामने रखे। इस अवसर पर पॉलिटेक्निक के प्राचार्य नितिन गजवानी, शिक्षा अधिकारी आर. के. सिंह, समग्र शिक्षा अभियान दीव एडीपीओ अरविंद सोलंकी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मानशीन बामणिया ने किया।

देवका ताइवाड के मुस्लिम समाज के युवा एवं नागरिकों ने यूके के लेस्टर में दमण-दीव सांसद उमेश पटेल से की मुलाकात

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, लेस्टर, यूके 02 सितंबर। यूके-लेस्टर के दौरे पर गये दमण-दीव सांसद उमेश पटेल से देवका ताइवाड के मुस्लिम समाज के युवाओं ने मुलाकात कर उन्हें जीत की बधाईयां दी। सांसद उमेश पटेल ने सभी युवा एवं नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सबके सहयोग से मुझे दमण-दीव का लोकसभा में प्रतिनिधित्व करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

दीव कलेक्टर कार्यालय सभागार में हिन्दी पखवाड़े का उद्घाटन समारोह आयोजित हुआ

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 02 सितंबर। सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग बढ़ाने के लिए गृह मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशन में हर वर्ष हिंदी पखवाड़ा और हिंदी दिवस का आयोजन किया जाता है। जिसके अंतर्गत दीव राजभाषा विभाग कलेक्टर कार्यालय द्वारा दिनांक 02/09/2024 को कलेक्टर कार्यालय दीव में हिंदी पखवाड़े का उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही हिंदी टिप्पणी एवं प्रारूपण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें दीव प्रशासन के विभिन्न कार्यालयों के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के शुभारंभ में दीव कलेक्टर भानु प्रभा, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट डॉ. विवेक कुमार, डिप्टी कलेक्टर शिवम मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी आर. के. सिंह, अधीक्षक डीबी आहिर एवं वरिष्ठ हिंदी अनुवादक शंकर सिन्हा ने दीप प्रज्वलित किया। उद्घाटन कार्यक्रम, हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दीव कलेक्टर भानु प्रभा ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि वे अपने दैनिक कार्यों में राजभाषा हिन्दी का प्रयोग करें तथा बार-बार प्रयुक्त होने वाले टिप्पणी वाक्यों का ध्यान रखें। अपर जिलाधिकारी डॉ. विवेक कुमार ने कहा कि राजभाषा हिंदी में काम करना हमारी संवैधानिक जिम्मेदारी है और हमें हिंदी पखवाड़े के दौरान ही नहीं, बल्कि हमेशा हिंदी में ही काम करना चाहिए, ताकि जनता और सरकार के बीच निकटता बनी रहे। राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी जयेश धांधुकिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज अनेक उपयोगी हिन्दी सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं जिनकी सहायता से कोई भी आसानी से हिन्दी में काम कर सकता है।

क्लासिक मार्बल कंपनी कलिंगा स्टोन (नरोली) फैक्ट्री कर्मचारी की मौत, एसएचओ ने घटनास्थल का निरीक्षण किया

सिलवासा। सीएमसी कलिंगा स्टोन (नरोली) फैक्ट्री के एक कर्मचारी की मौत हो गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कल रात नरोली पुलिस को विनोबा भावे सिविल अस्पताल से फोन आया कि सीएमसी कलिंगा स्टोन कंपनी के एक कर्मचारी को इलाज के लिए लाया गया है। एमपी निवासी कर्मचारी कैलाश संतराम यादव की मौत हो गई। आज सुबह 11 बजे नरोली एसएचओ पीएसआई स्वानंद ईमानदार घटनास्थल पर पहुंचे और फोरेंसिक जांच तक इलाके को सील कर दिया। मौत के कारण के बारे में पूछे जाने पर एसएचओ ईमानदार ने कहा कि जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के कारण का पता चल पाएगा।

આઠમી પુણ્યતિથિએ શ્રદ્ધાંજલિ

રડી પડે છે આંખો અમારી દરેક પ્રસંગે ખટકશે ખોટ તમારી
પળભરમાં છેતરી ગયા અમને માત્ર યાદગીરીના પુષ્પો અને
વહેતા આંસુના અભિષેક અર્પણ કરીએ છીએ.
પ્રભુ તમારા દિવ્ય આત્માને શાંતિ અર્પે તે જ પ્રાર્થના.

સ્વ. રામજી દેવા મકવાણા
સ્વ. તા. ૦૩/૦૯/૨૦૧૬

લિ.
રંભૂબેન દેવા (માતાજી),
કસ્તૂર રામજી (પત્ની)
વિજય રામજી (પુત્ર)
ચંપક રામજી (પુત્ર)
અજય રામજી (પુત્ર)
નિવાસસ્થાનઃ બુચરવાડા, દીવ

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)